NEWS CFM 24 x 7 COALFIELD MIRROR हर पल आपके साथ

कोलफील्ड मिरर

Website : coalfieldmirror.com

हर पल आपके साथ

कोलकाता | मंगलवार 23 अप्रैल 2024 | वर्ष-07 | अंक-1007 | पृष्ठ-06 | RNI (TA) No. 2022027633

24 हजार नौकरियां हाई कोर्ट ने रद्द कर दीं

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (कोलकाता): शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में पश्चिम बंगाल सरकार को कलकत्ता हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है.

हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग पैनल द्वारा की गई स्कूल शिक्षक भर्ती रद्द कर दी है. हाईकोर्ट ने 2016 का पूरा जॉब पैनल रद्द कर दिया है और लगभग 24 हजार नौकरियां हाई कोर्ट ने रद्द कर दीं. इस भर्ती में 5 से 15 लाख रुपये की घूस लेने तक की आरोप हैं.

बता दें कि भर्ती घोटाले में पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी और कई तृणमूल पदाधिकारियों के साथ ही राज्य शिक्षा विभाग के कई अधिकारी सलाखों के पीछे पहुंच चुके हैं. कोलकाता हाईकोर्ट के आदेश के बाद ईडी और सीबीआई दोनों कथित अनियमितताओं की जांच कर रही हैं.

यह घोटाला 2014 का है. तब पश्चिम बंगाल स्कूल सर्विस कमिशन ने पश्चिम बंगाल में सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भर्ती निकाली थी. यह भर्ती प्रक्रिया 2016 में शुरू हुई थी. उस वक्त पार्थ चटर्जी शिक्षा मंत्री थे. इस मामले में गड़बड़ी की कई शिकायतें कोलकाता हाईकोर्ट में दाखिल हुई थीं.

याचिकाकर्ताओं का आरोप था कि जिन उम्मीदवारों के नंबर कम थे उन्हें मेरिट लिस्ट में ऊपर स्थान मिला है. इतना ही नहीं कुछ शिकायतें ऐसी भी थीं, जिनमें कहा गया था कि कुछ उम्मीदवारों का मेरिट लिस्ट में नाम न होने पर भी उन्हें नौकरी दे दी गई. याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि कुछ ऐसे भी उम्मीदवारों को नौकरी दी गई, जिन्होंने टीईटी परीक्षा भी पास नहीं की थी. जबकि राज्य में शिक्षक भर्ती के लिए टीईटी की परीक्षा पास होना अनिवार्य है. इसी तरह से राज्य में 2016 में एसएससी द्वारा ग्रुप डी की 13000 भर्ती के मामले में शिकायतें मिली थीं. हाईकोर्ट ने इन सभी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सीबीआई जांच के आदेश दिए थे. सके बाद ईडी ने शिक्षक भर्ती और कर्मचारियों की भर्ती के मालमे में मनी ट्रेल की जांच शुरू की थी. सीबीआई ने इस मामले में 18 मई को पार्थ चटर्जी से पूछताछ भी की थी.

ईडी ने इस मामले में इस साल मई में जांच शुरू की थी. ईडी ने 22 जुलाई, 2022 को पार्थ चटर्जी के ठिकानों समेत 14 जगहों पर छापेमारी की थी. पार्थ चटर्जी के ठिकानों पर छापेमारी के दौरान ईडी को अर्पिता मुखर्जी की प्रॉपर्टी के दस्तावेज मिले थे. जब पार्थ चटर्जी से अर्पिता की पहचान पूछी गई, तो उन्होंने इस बारे में संतोषजनक उत्तर नहीं दिया. इसके बाद ईडी के रडार पर अर्पिता मुखर्जी आ गईं.

जब ईडी ने अर्पिता के फ्लैट पर छापा मारा तो करीब 21 करोड़ रुपए कैश, 60 लाख की विदेशी करेंसी, 20 फोन और अन्य दस्तावेज मिले. 24 जुलाई को ईडी ने अर्पिता और पार्थ को गिरफ्तार कर लिया. दोनों अभी ईडी की कस्टडी में हैं और पूछताछ चल रही है. ईडी की पूछताछ में अर्पिता ने अपनी कुछ संपत्तियों के बारे में जानकारी दी थी.

नियुक्तियों को रद्द करने के हाई कोर्ट के आदेश को ममता ने अवैध करार दिया

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (कोलकाता): मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 2016 की शिक्षक भर्ती परीक्षा के माध्यम से की गईं सभी नियुक्तियों को रद्द करने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश को सोमवार को अवैध करार दिया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार फैसले को चुनौती देगी। ममता बनर्जी ने उत्तर बंगाल के रायगंज में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कोर्ट के फैसले पर भाजपा का प्रभाव होने का भी दावा किया। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के नेताओं पर न्यायपालिका के एक वर्ग और निर्णयों को प्रभावित करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सभी नियुक्तियों को रद्द करने का अदालत का फैसला अवैध है। हम उनलोगों के साथ खड़े हैं जिनकी नौकरियां चली गई हैं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि आपको न्याय मिले और आदेश को ऊपरी अदालत में चुनौती देंगे। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में राज्यस्तरीय चयन परीक्षा- 2016 (एसएलएसटी) की भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से की गईं सभी नियुक्तियों को रद्द करने का आदेश दिया है।

हजारो शिक्षकों की नौकरी रद्द करने के मामले में एसएससी सुप्रीम कोर्ट का रुख करेगा

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (कोलकाता): 2016 के नियुक्ति पैनल के हजारो शिक्षकों की नौकरी रद्द करने के कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) सुप्रीम कोर्ट का रुख करेगा। एसएससी के अध्यक्ष सिद्धार्थ मजूमदार ने हाई कोर्ट के फैसले के बाद यह घोषणा की है।

सोमवार को हाई कोर्ट के जस्टिस देवांग्शु बसाक और जस्टिस मोहम्मद शब्बर रशीदी की विशेष खंडपीठ ने एसएससी मामले में 25 हजार 753 लोगों की नौकरियां रद्द करने का निर्देश दिया। यानी 2016 में जिन लोगों को नौकरी मिली थी, उन सभी की नौकरी रद्द कर दी गई है।

WEST BENGAL SCHOOL SERVICE COMMISSION तमसो माँ ज्योतिर्गमय

इतना ही नहीं, जिन लोगों को पैनल का कार्यकाल समाप्त होने के बाद नौकरी मिली, जिन्होंने जनता के पैसे से वेतन लिया, उन्हें चार सप्ताह के भीतर ब्याज सहित वेतन वापस करना होगा। 12 फीसदी सालाना ब्याज के साथ पैसा लौटाना होगा।

इस पर एसएससी चेयरमैन सिद्धार्थ ने साफ किया कि वह हाई कोर्ट के फैसले से खुश नहीं हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि पांच हजार लोगों पर अवैध तरीके से नौकरी पाने का आरोप है। ऐसे में 26 हजार लोगों की नौकरियां क्यों रद्द की जाएंगी?

भारत जैन महामंडल ने मुंबई में आयोजित किया महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव

गुरुजनों ने जैन एकता पर जोर दिया और मानव सेवा के काम में तत्पर रहने का किया आह्वान

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (मुम्बई/ कोलकाता): भारत जैन महामंडल ने मुंबई के दादर इलाके में अवस्थित श्री स्वामी नारायण मंदिर में भगवान श्री महावीर के जन्म कल्याणक महोत्सव का बहुत ही भव्य रूप से आयोजन किया। जैन धर्म के चार महत्वपूर्ण स्तंभों को साथ लेकर आयोजित हुआ यह कार्यक्रम जैन समाज की परस्पर एकता की अनूठी मिसाल के तौर पर था।

इस कार्यक्रम को परम पूज्य श्रीनयपधसागर सुरीश्वरजी महाराज, राष्ट्रसंत श्रीनम्र मुनिजी, मुनिश्री कमल कुमारजी, साध्वी अक्षय ज्योतिषा महाराज का पावन सानिध्य मिला। जन्म कल्याणक महोत्सव को संबोधित करते हुए सभी गुरुजनों ने जैन एकता पर जोर दिया और मानव

सेवा के लिए विशेष रूप से तत्पर रहने का उपस्थित जनसमूह से आह्वान किया। आयोजन में सम्मानित अतिथि के रूप में महाराष्ट्र राज्य के कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, न्यायमूर्ति संदीप मेहता (सुप्रीम कोर्ट आफ इंडिया), न्यायमूर्ति सुधीर जैन (दिल्ली हाईकोर्ट), न्यायमूर्ति जितेन्द्र जैन (मुम्बई हाईकोर्ट) ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। मिलिंद देवड़ा (विधायक, दक्षिण मुम्बई), राहुल नवाकार, उज्जवल निगम आदि विशिष्ट अतिथि के रुप में उपस्थिति थे। भारत जैन महामंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष सी सी डांगी, महामंत्री सुरेन्द्र दसानी,युवा अध्यक्ष महेन्द्र पगारिया, लेडिज विंग अध्यक्ष राजकुमारी बोहरा, कोषाध्यक्ष मनोहर पारिकर, मोतीलाल ओसवाल, पूर्व अध्यक्ष राकेश मेहता, केसी जैन, राष्ट्रीय मंत्री कुमार बोहरा आदि पदाधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे।

आयोजन में शामिल होकर आई कोलकाता भारत जैन महामंडल लेडिज विंग कोलकाता शाखा की संस्थापक व सलाहकार अंजू सेठिया तथा अध्यक्ष चंदा गोलछा ने बताया कि हजारों की संख्या में जैन धर्मावलंबी इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए पहुंचें थे। अजय जैन व कार्यकर्ताओं की मेहनत रंग लाई, कार्यक्रम काफी सफल रहा। महोत्सव में शामिल हुए सभी हर्षित थे।

ममता ने राजनाथ सिंह से कहा पहले अपनी सीट बचाएं, फिर यहां आएं

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (कोलकाता): मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को भाजपा के लिए दलाली करने के बजाय अपनी स्थिति सुरक्षित करने पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा आपके योगदान के प्रति बहुत कम सम्मान दिखाती है।

रायगंज के चाकुलिया में एक सार्वजनिक बैठक में ममता बनर्जी ने कहा 'पहले (राजनाथ सिंह) अपनी सीट बचाएं, फिर यहां आएं और बीजेपी के लिए दलाली करें। बीजेपी को आपकी परवाह भी नहीं है। आपकी वजह से तानाशाह मोदी भारत के पीएम पद पर बैठे हैं।' उन्होंने यह भी कहा कि टीएमसी के खिलाफ लड़ने वाली पार्टियां बीजेपी की सहयोगी हैं। उन्होंने कहा कि सीपीएम और कांग्रेस बीजेपी की आंखें हैं और उन्हें समर्थन मिलता है।

ममता बनर्जी ने आगे कहा कि 'मैं चुनौती देती हूं और कहती हूं कि जो लोग टीएमसी के खिलाफ लड़ रहे हैं, वे बीजेपी की दो आंखें हैं, एक सीपीएम और दूसरी कांग्रेस। बीजेपी उन्हें बहुत कुछ देती है ताकि वे अल्पसंख्यक वोट काट सकें।' सीएम बनर्जी ने मतदाताओं से उन लोगों को वोट न देने का भी आग्रह किया जो टीएमसी पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा, 'मैं सभी से कहूंगी कि जो लोग गद्दार हैं, जो विश्वासघात करते हैं उन्हें एक भी वोट न दें।

बता दें कि पहले चरण का मतदान हाल ही में कूचबिहार, अलीपुरद्वार और जलपाईगुड़ी संसदीय क्षेत्रों में संपन्न हुआ। पिछले चुनाव 2019 में इन सभी निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा ने जीत हासिल की थी। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का परंपरागत रूप से एक मजबूत गढ़ रहा है। 2014 के लोकसभा चुनावों में, टीएमसी राज्य में 34 सीटें हासिल करके प्रमुख ताकत के रूप में उभरी। इसके विपरीत, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) केवल 2 सीटें जीतने में सफल रही। सीपीआई (एम) और कांग्रेस ने क्रमशः 2 और 4 सीटें जीतीं।

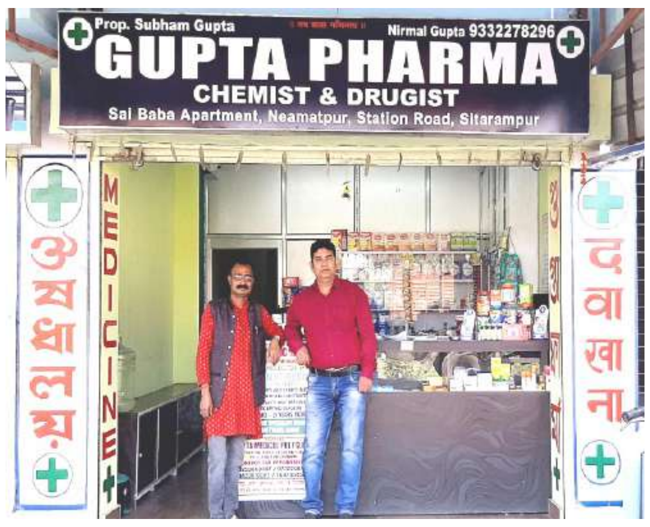

कल्याण ज्वेलर्स की ओर से अक्षय तृतीया के शुभ मौके पर सोने व हीरे के आकर्षक एक्सक्लूसिव कलेक्शन किया लॉन्च

अक्षय तृतीया के मौके पर ब्रांड की ओर से सभी नए डिज़ाइन की प्री-बुकिंग करने पर ग्राहकों को मेकिंग चार्ज पर 25% की छूट का दिया जा रहा आकर्षक ऑफर

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (कोलकाता): देश के सबसे बड़े और सबसे भरोसेमंद आभूषण ब्रांडों में से एक कल्याण ज्वेलर्स ने अनोखे अंदाज में कोलकाता में अक्षय तृतीया के मौके पर भव्य और आकर्षक कार्यक्रम की शुरुआत की। इस मौके पर ब्रांड एंबेसडर रिताभरी चक्रवर्ती ने चुनिंदा ग्राहकों के साथ इस कार्यक्रम में आभूषणों की नई श्रृंखला को दर्शकों के बीच लॉन्च किया। इस लेटेस्ट कलेक्संशनन में सोने के हल्के वजन के डिजाइन के साथ-साथ फैशनेबल हीरे के एक्सक्लूसिव कलेक्शन भी शामिल है। इस कार्यक्रम ने कंपनी के साथ रिताभरी चक्रवर्ती के आधे दशक के अपने जुड़ाव का जिक्र किया।

इस आयोजन के दौरान विशेष मुलाकात और अभिवादन सत्र में ब्रांड एंबेसडर रिताभरी चक्रवर्ती ने कहा, कल्याण ज्वेलर्स के साथ लंबे समय से ब्रांड एंबेसडर और संरक्षक के रूप में, जुड़ा रहकर मैं आज यहां आकर खुद को काफी गर्वित महसूस कर रही हूं। भारतीय संस्कृति में सोने के आभूषण पारंपरिक रूप से काफी भावनात्मक मूल्य रखते हैं। सोने की कीमतों में हालिया उछाल ने आभूषणों को एक आकर्षक निवेश विकल्प के रूप में उभरने के लिए प्रेरित किया है। मैं व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक पोईला बैशाख और अक्षय तृतीया पर सोने और हीरे के जेवरात की खरीदारी करना काफी पसंद करती हूं। यहां नया कलेक्शन काफी हल्के वजन के साथ उपलब्ध है। रिताभरी चक्रवर्ती को कल्याण ज्वैलर्स के निमा कलेक्शन से टेम्पल ज्वेलरी पहने हुए देखा गया।

इस सीज़न में ग्राहक सभी आभूषणों की खरीद पर मेकिंग चार्ज पर 25% की छूट का लाभ उठा सकते हैं। इस ऑफर को अक्षय तृतीया की खरीदारी के लिए ग्राहकों के बीच लाया गया है। अब ग्राहकों के लिए पहले से एक्सक्लूसिव कलेक्शन वाले आभूषणों की डिजाइन को सुव्यवस्थित करने के लिए अग्रिम बुकिंग सुविधा शुरू की गई है। इस प्री-बुकिंग कार्यक्रम के हिस्से के रूप में ग्राहक अब आसानी से अपने आभूषणों का ऑर्डर पहले से चुन सकते हैं और दे सकते हैं, जिससे शुभ दिन पर परेशानी मुक्त खरीदारी का अनुभव सुनिश्चित हो सके। इस पहल का उद्देश्य भीड़ को कम करने के साथ-साथ ग्राहकों को आभूषण की खरीद पर 10% अग्रिम भुगतान करके आभूषण की कीमत लॉक करवा कर उन्हें फायदा पहुंचाना है।

यहां से ग्राहकों को कल्याण ज्वेलर्स का 4-स्तरीय आश्वासन प्रमाणपत्र भी प्राप्त होगा, जो शुद्धता, गहनों के मुफ्त आजीवन रखरखाव, विस्तृत उत्पाद जानकारी और पारदर्शी विनिमय और बाय-बैक नीतियों की गारंटी देता है।

शोरूम में कल्याण के लोकप्रिय घरेलू ब्रांडों का भी स्टॉक होगा, जिनमें मुहूर्त (वेडिंग ज्वेलरी लाइन), मुधरा (हस्तनिर्मित प्राचीन आभूषण), निमाह (टेम्पल ज्वेलरी), ग्लो (डांसिंग डायमंड्स), ज़िया (सॉलिटेयर-जैसे डायमंड ज्वेलरी), अनोखी (अनकट डायमंड्स) शामिल हैं। अपूर्व (विशेष अवसरों के लिए हीरे), अंतरा (शादी के हीरे), हेरा (दैनिक पहनने वाले हीरे), रंग (कीमती पत्थरों के आभूषण) और हाल ही में लॉन्च की गई लीला (रंगीन पत्थर और हीरे के आभूषण) भी मौजूद है।

तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार ने नियामतपुर में किया रोड शो

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (कुल्टी): तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार शत्रुघ्न सिन्हा ने कुल्टी विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार किया। टीएमसी प्रत्याशी ने कुल्टी विधानसभा के नियामतपुर के लच्छीपुर गेट से अपना प्रचार अभियान शुरू किया. वह अभियान नियामतपुर के चबका, रायपाड़ा, सीतारामपुर समेत विभिन्न इलाकों में चलाया गया है. इस दौरान शत्रुघन सिन्हा को देखने के लिए सड़क के दोनों ओर आम लोग जमा थे. पार्टी उम्मीदवार के साथ बाराबनी विधायक और आसनसोल के मेयर बिधान उपाध्याय, डिप्टी मेयर और आईएनटीटीयूसी के जिला अध्यक्ष अभिजीत घटक, कुल्टी के पूर्व विधायक और जिला चेयरमैन उज्ज्वल चट्टोपाध्याय, कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद थे।

दासू के नेतृत्व में तृणमूल प्रत्याशी के समर्थन में जनसंपर्क अभियान चलाया गया

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (बर्नपुर): प्रदेश टीएमसी सचिव वी. शिवदासन दासू के नेतृत्व में तृणमूल प्रत्याशी शत्रुघ्न सिन्हा के समर्थन में जनसंपर्क अभियान चलाया गया।

घर-घर जाकर लोगों से संपर्क करने के बाद वार्ड 78 टीएमसी पार्टी कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस किया गया। मौके पर पार्षद अशोक रूद्र, ब्लाक अध्यक्ष अनूप माजी, पूर्णेंदु चौधरी आदि मौजूद थे।

वी. शिवदासन दासू ने कहा कि आगामी 13 मई को आसनसोल लोकसभा के लिए मतदान होने है, इसके लिए हर एक वार्ड में प्रचार अभियान शुरू किया गया है.

उन्होंने कहा कि प्रचार अभियान के दौरान यह देखा जा रहा है कि लोग पूरी तरह से ममता बनर्जी और तृणमुल कांग्रेस के समर्थन में है, ममता बनर्जी ने जो विकास कार्य किए हैं, उसे देखते हुए लोग जरूर टीएमसी के पक्ष में ही मतदान करेंगे।

भाजपा और अन्य विपक्षी पार्टियों पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि उनका यहां पर कोई अस्तित्व नहीं है उन्होंने यहां की जनता के लिए कोई काम नहीं किया है, इसलिए यहां की जनता का समर्थन उनको नहीं मिलेगा. उन्होंने कहा कि टीएमसी की तरफ से लगातार प्रचार अभियान और जनसंपर्क चलाते रहने की आवश्यकता है. इसके लिए उन्होंने हर एक वार्ड और ब्लॉक में टीएमसी पदाधिकारीयों के बीच समन्वय बनाए रखने की बात कही.

उन्होंने कहा कि उनका पूरा विश्वास है कि आसनसोल लोकसभा क्षेत्र की जनता एक बार फिर पिछले लोकसभा उपचुनाव की ही तरह इस बार के चुनाव में भी शत्रुघ्न सिन्हा को भारी मतों से विजयी बनाएगी और जीत का मार्जिन पिछली बार की तुलना में बढ़ेगा. उन्होंने कहा कि हर एक सीट पर जनता ममता बनर्जी को देखकर ही मतदान करती है. भले ही अलग-अलग सीट पर अलग-अलग प्रत्याशी खड़े हो लेकिन लोग मतदान ममता बनर्जी को देखकर ही करते हैं.

पत्रकार क्रांति सिंह की पत्नी का निधन, शोक

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (आसनसोल): आसनसोल शिल्पांचल के हिन्दी दैनिक समाचार पत्र के पत्रकार क्रांति सिंह की पत्नी पूजा सिंह का बीती रात दुर्गापुर के निजी अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। कुछ दिन पहले ही तबीयत बिगड़ने के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, शनिवार को सिजेरियन से उन्होंने एक प्रीमेच्योर शिशु को जन्म दिया, बच्चा भी फिलहाल एनआईसीयू में है। सिजेरियन बाद से ही उनकी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई थी, रविवार की रात करीब 8:00 बजे अस्पताल में ही इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। पूजा 42 साल की थी, इस असमय निधन से क्रांति सिंह और उनके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। इस क्षेत्र के सभी पत्रकारों और अन्य गणमान्य लोगों ने पूजा सिंह के निधन पर अपनी संवेदना व्यक्त की और दुख की इस घड़ी में उनको सांत्वना दी है। देर रात शव को दुर्गापुर से जेके नगर उनके आवास पर लाया गया आज रानीगंज के मेजिया घाट में अंतिम संस्कार किया गया।

वृद्ध महिला ने ऊंची इमारत की पांचवीं मंजिल से कूदकर की आत्महत्या

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (आसनसोल): सोमवार की संध्या आसनसोल साउथ थाना अंतर्गत महिशिला कॉलोनी के शिमुलतला में में एक महिला ने ऊंची इमारत की पांचवीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। मृत महिला की पहचान पांडेश्वर निवासी रीना तरफदार (56) के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, रीना तरफदार के बेटे का मोहिशिला कॉलोनी के शिमुलतला इलाके में बहुमंजिला आवास है. कई दिन पहले वह पांडेश्वर छोड़कर अपने बेटे के घर में रह रही थी। सोमवार शाम करीब छह बजे रीना एक बहुमंजिला इमारत के नीचे लहूलुहान अवस्था में पड़ी मिलीं। इससे पहले, फ्लैट के निवासियों ने ऊपर से कुछ गिरने की आवाज़ सुनी। वहां से रीना देवी के परिवार के सदस्यों और क्षेत्र के निवासियों ने आसनसोल जिला अस्पताल के आपातकालीन विभाग में उसे लाया। डॉक्टर ने उसकी जांच की और उसे मृत घोषित कर दिया. शुरुआती जांच के बाद पुलिस ने अनुमान लगाया कि रीना तरफदार काफी समय से मानसिक अवसाद से जूझ रही थी. वह इलाज के लिए अपने बेटे के आवास पर रह रही थी। शायद मानसिक अवसाद के कारण महिला घर के लोगों को बताए बिना छत पर चली गई। बाद में वह नीचे गिर गई होगी। पुलिस का मानना है कि महिला ने कूदकर आत्महत्या की है. घटना में अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया गया है.

आसनसोल मंडल पर ठहराव के साथ सियालदह और वडोदरा के बीच ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन चलेगी

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (आसनसोल): गर्मी के मौसम में यात्रा के प्रति बढ़ती रुचि के कारण अक्सर ट्रेन टिकट प्राप्त करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। गर्मी के मौसम के दौरान यात्रा की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि को स्वीकार करते हुए रेलवे यात्रियों को सुविधाजनक और आरामदायक परिवहन विकल्प प्रदान करने का प्रयास करता है। रेलवे ने यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ से निपटने के लिए सियालदह और वडोदरा के बीच ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। 03109 सियालदह-वडोदरा स्पेशल 23.04.2024 और 25.06.2024 (10 ट्रिप) के बीच प्रत्येक मंगलवार को सियालदह से 07:40 बजे रवाना होगी और अगले दिन 20:00 बजे वडोदरा पहुंचेगी तथा 03110 वडोदरा-सियालदह स्पेशल 25.04.2024 और 27.06.2024 (10 ट्रिप) के बीच प्रत्येक गुरुवार को 11:00 बजे वडोदरा से रवाना होगी और अगले दिन 21:25 बजे सियालदह पहुंचेगी। उक्त स्पेशल ट्रेन मार्ग में दोनों दिशाओं में पूर्व रेलवे क्षेत्राधिकार के आसनसोल मंडल के दुर्गापुर, आसनसोल, चित्तरंजन, मधुपुर और जसीडीह स्टेशनों पर रुकेगी। उक्त ट्रेन में सामान्य द्वितीय श्रेणी, शयनयान श्रेणी और वातानुकूलित श्रेणी के डिब्बे होंगे।

वापी और आसनसोल तथा आसनसोल एवं रतलाम के बीच चलेगी ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (आसनसोल): पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल को गर्मी के मौसम के दौरान एक शहर से दूसरे शहर की यात्रा करने वाले यात्रियों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए वापी-आसनसोल-रतलाम ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन परिचालन सेवाओं की शुरुआत की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। इस दौरान यात्रा की महत्वपूर्ण मांग को ध्यान में रखते हुए पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल का लक्ष्य यात्रियों के लिए सुविधाजनक और आरामदायक परिवहन विकल्प प्रदान करना है। 09123 वापी-आसनसोल ग्रीष्मकालीन स्पेशल 22.04.2024 को (01 ट्रिप) वापी से 15:00 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 07:00 बजे आसनसोल पहुंचेगी तथा 09124 24.04.2024 को (01 ट्रिप) आसनसोल-रतलाम ग्रीष्मकालीन स्पेशल 10:00 बजे आसनसोल से रवाना होगी और अगले दिन 16:00 बजे रतलाम पहुंचेगी। उक्त ट्रेन में सामान्य द्वितीय श्रेणी, शयनयान श्रेणी के डिब्बे होंगे।

हावड़ा- लाल कुआं- हावड़ा ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन के समय में संशोधन

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (आसनसोल): रेलवे ने 05060/ 05059 लाल कुआं- हावड़ा - लाल कुआं ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन के समय को संशोधित करने का निर्णय लिया है, जिसे पहले अधिसूचित किया गया था। 05060 लाल कुआं- हावड़ा समर स्पेशल ट्रेन 25.04.2024 और 27.06.2024 के बीच प्रत्येक गुरुवार को (10 ट्रिप) लाल कुआँ से 13:35 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 21:30 बजे हावड़ा पहुंचेगी तथा 05059 हावड़ा-लाल कुआं समर स्पेशल 26.04.2024 और 28.06.2024 के बीच प्रत्येक शुक्रवार को (10 ट्रिप) हावड़ा से 23:30 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 13:55 बजे लाल कुआं पहुंचेगी। उक्त ट्रेन मार्ग में दोनों दिशाओं में पूर्व रेलवे क्षेत्राधिकार के आसनसोल मंडल के जसीडीह, आसनसोल और दुर्गापुर स्टेशनों पर रुकेगी। उक्त ट्रेन में सामान्य द्वितीय श्रेणी, शयनयान श्रेणी और वातानुकूलित श्रेणी के डिब्बे होंगे।

पुरी-पटना-पुरी स्पेशल ट्रेन का परिचालन जारी रखना

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (आसनसोल): यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ से निपटने तथा यात्रियों की सुविधा के लिए, रेलवे मौजूदा दिनों, समय और ठहराव के साथ 08439/08440 (पुरी-पटना-पुरी) स्पेशल ट्रेन का परिचालन जारी रखेगा। 08439 पुरी- पटना स्पेशल दिनांक 04.05.2024 से 29.06.2024 के बीच (09 ट्रिप) प्रत्येक शनिवार को तथा 08440 पटना- पुरी स्पेशल दिनांक 05.05.2024 से 30.06.2024 के बीच (09 ट्रिप) प्रत्येक रविवार को मौजूदा मार्ग, समय और स्टॉपेज के साथ चलेगी।

श्री पंचमुखी बालाजी हनुमान मंदिर का तीसरा मूर्ति स्थापना दिवस

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (रानीगंज): आसनसोल नगरनिगम के वार्ड संख्या 37 अंतर्गत यादव पाड़ा के पंचमुखी बालाजी हनुमान मंदिर में मंदिर का तीसरा स्थापना दिवस मनाया गया। इस मौके पर यहां पूजा अर्चना हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। इस दौरान सिर्फ 37 नंबर वार्ड के लोग ही नहीं बल्कि पंजाबी मोड़ सियारसोल निंमचा तिराट हाड़ाभांगा सहित रानीगंज के विभिन्न इलाकों से श्रद्धालु आए थे जिन्होंने इन धार्मिक अनुष्ठानों में हिस्सा लिया।

कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए इस मंदिर समिति से जुड़े संतोष राय ने बताया कि आज मंदिर का तीसरा स्थापना दिवस है। 2022 में इस मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। उन्होंने बताया कि यह मंदिर तकरीबन 40 साल पुराना है लेकिन तब मंदिर काफी छोटा था ऊपर टीन की शेड थी। इसके बाद 2015 से इस मंदिर के जीर्णोद्धार का कार्य शुरू हुआ। बीच में कुछ कारण से यह कार्य बंद भी हो गया था लेकिन आखिरकार पाड़ा महावीर कोलियरी तथा आसपास के लोगों के सहयोग से मंदिर बंनकर तैयार हुआ। उन्होंने कहा कि आज यहां पर इस मंदिर का तीसरा स्थापना दिवस मनाया जा रहा है और कल हनुमान जयंती के अवसर पर यहां पर विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि आज अखंड पाठ का आयोजन किया गया और कल 108 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया जाएगा। उनका कहना है कि जब से इस मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हुई है तब से रानीगंज पर आने वाले बहुत से संकट टल गए हैं।

भारतीय वीर दल के पश्चिम बंगाल सचिव बने गोविंदा मंडल

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (मालदा): भारतीय वीर दल (पाटीर) को प्रदेश सचिव की जिम्मेदारी मिली है और गोविंदा मंडल कई बार गरीबों के पक्ष में खड़े नजर आए हैं. इस बार उन्होंने भारतीय वीर दल की कमान संभाली है.

मालूम हो कि रविवार को भारतीय वीर दल पार्टी के पश्चिम बंगाल प्रदेश सचिव की जिम्मेवारी आधिकारिक तौर पर जिम्मेदारी गोविंदा मंडल को दी गई. फिलहाल उनके पास पश्चिम बंगाल प्रांत का प्रभार है. दिल्ली में आधिकारिक तौर पर कार्यभार सौंप दिया गया. इसके अलावा उन्हें भारतीय बीर दल की कमान संभालने आदि के लिए भी लिखित में पत्र दिया गया है। यह जिम्मेदारी संभालने के बाद से गोविंदा मंडल ने पश्चिम बंगाल में भारतीय बीर दल संगठन बनाने की पहल की है। उनका मानना है कि पिछले दिनों भारतीय वीर टीम काफी प्रभाव फैलायेगी. आने वाले दिनों में मैं एक नया संगठन बनाऊंगा.

मुझे लगता है कि भारतीय वीर दल को पश्चिम बंगाल में भारी प्रतिक्रिया मिलेगी. मैं पिछले दिनों भी आम लोगों के बीच रहा हूं और रहूंगा। भारतीय वीर दल को पश्चिम बंगाल में व्यापक प्रतिक्रिया मिलेगी.

हजारों करोड़ कमाने वालों को जेल जाना पड़ेगा- दिलीप घोष

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (दुर्गापुर): लोगों के अधिकारों से छेड़छाड़ का परिणाम तृणमूल को भुगतना पड़ेगा. हजारों करोड़ कमाने वालों को जेल जाना चाहिए. उक्त बातें बर्दवान दुर्गापुर लोकसभा क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार दिलीप घोष ने अदालत के आदेश से 2016 एसएससी नियुक्ति पत्र को रद्द करने के संबंध में सोमवार को बुदबुद में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक में शामिल होने के बाद कही।

लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा द्वारा बुदबुद बाईपास स्थित एक मैरेज हॉल में गलसी विधानसभा से जुड़े सभी बूथ कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई थी। कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के साथ-साथ कार्यकर्ता घर-घर जाकर कैसे प्रचार-प्रसार करेंगे, इस पर भी विस्तार से चर्चा हुई. बुदबुद का कार्यक्रम समाप्त कर दिलीप घोष दुर्गापुर के लिए रवाना हो गये.

तृणमूल प्रत्याशी शत्रुघ्न सिन्हा के समर्थन में बैठक

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (सलानपुर): पश्चिम बंगाल तृणमूल कांग्रेस आंगनवाड़ी कर्मी सहायक एवं आशा वेलफेयर समिति के पश्चिम बर्दवान शाखा के तत्वावधान में सोमवार रूपनारायणपुर श्रमिक मंच सभागार में तृणमूल कांग्रेस प्रत्याशी शत्रुघ्न सिन्हा के समर्थन में कर्मी सभा का आयोजन किया गया। जहाँ आसनसोल लोकसभा से तृणमूल कांग्रेस प्रत्याशी शत्रुघ्न सिन्हा को भारी मतों से विजयी बनाने को लेकर संकल्प लिया गया।

बैठक में आसनसोल नगर निगम के मेयर सह बाराबनी विधायक विधान उपाध्याय, जिला परिषद अध्यक्ष मोहम्मद अरमान, आंगनवाड़ी जिला संयोजक झरना माजी, राज्य समिति सचिव रुमा बख्शी, अपर्णा रॉय, सुलेखा समेत अन्य मौजूद रहे।

कुल्टी में 27 फीट ऊंचा रावण का पुतला दहन किया गया

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (कुल्टी): कुल्टी कारखाना के मेनगेट के समीप रामनवमी के उपलक्ष्य में रावण का करीब 27 फीट ऊंचा पुतला दहन किया गया। इस अवसर पर आतिशबाजी भी की गयी। यहां आयोजक श्रीश्री महावीर अखाड़ा उत्तर कोयरी पाड़ा कमेटी की ओर से रावण का पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया। रावण पुतला दहन को लेकर पुलिस छावनी में तब्दील कार्यक्रम स्थल पर ट्रैफिक, दमकल विभाग एवं महिला पुलिस की विशेष व्यवस्था की गई थी। शाम से कुल्टी, बराकर एवं नियामतपुर से सैकड़ों की संख्या में लोग रावण का पुतला दहन कार्यक्रम में शामिल हुए, रात 10 बजे रावण पुतला दहन किया गया। इस अवसर पर खड़गपुर से आई आतिशबाजी टीम ने आतिशबाजी की।

कार्यक्रम के दौरान मंच पर उपस्थित अतिथियों में वार्ड पार्षद और बोरो चेयरमैन शताब्दी भंडारी, कुल्टी के विधायक अजय पोद्दार, लोकसभा चुनाव के भाजपा प्रत्याशी एसएस अलुवालिया, श्रीराम सिंह विशेष रुप से उपस्थित थे. श्री अहलूवालिया ने पुतला दहन किया।

आयोजकों ने बताया कि लगभग 35 वर्षो से रामनवमी के बाद रावण पुतला दहन की परंपरा चली आ रही है, जो अभी तक जारी है। इसका मुख्य कारण है कि कुल्टी कारखाना के कर्मियों की सुविधा के अनुसार रामनवमी के बाद शनिवार एवं रविवार को अखाड़ा सुनिश्चित किया गया था। पहले 20 से अधिक अखाड़े कुल्टी में निकलते थे, परंतु वर्तमान में मात्र 14 अखाड़े ही निकलते हैं। जिसमे मुख्य रूप से सियाल डंगाल, अपर कुल्टी बोहाल, दक्षिण कोइरी पाड़ा, उत्तर कोइरी पाड़ा, केंदुआ 6 नंबर गेट, पोस्ट ऑफिस, ईटा भट्टा, पत्थर खाद , 12 नंबर लोको लाइन, रांची ग्राम एवं केंदुआ बाजार में अखाड़ा शामिल है। कुल्टी रेलपार के 6 नंबर गेट में सभी अखाड़ों के खिलाड़ियों ने खेल का प्रदर्शन किया।

आज का राशिफल

23 अप्रैल 2024
मंगलवार

कोलफील्ड मिरर

मेष
दिन मिलाजुला रहेगा. धन संपत्ति सम्बंधित मतभेद उभर सकते है. व्यापार में धन आमदनी तो बनी रहेगी परंतु धन की बचत कम होगी. भूमि, भवन, वाहन संबंधी कार्य में अपेक्षित लाभ होगा.

वृषभ
दिन अच्छा रहेगा. रुका हुआ धन मिलने के योग हैं. आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. धनागमन के स्रोत बढ़ेंगे. काफी दिन से रुके हुए कार्य बनने की संभावना रहेगी. व्यापार में लाभकारी सिद्ध होगा.

मिथुन
दिन बढ़िया रहेगा. व्यापार में आय बहुत अच्छी होगी. किसी वरिष्ठ परिजन का अथवा रिश्तेदार से धन प्राप्त होगा. नौकरी में उच्च अधिकारियों की निकटता से लाभ मिलेगा. धन, मान प्राप्त होगा.

कर्क
दिन अच्छा रहेगा. व्यापारिक बाधा दूर होने से आय में वृद्धि होगी. कार्यक्षेत्र में धन लाभ होगा. नौकरी में अधीनस्थ से धन लाभ होगा. आर्थिक समस्या का हल होगा. ऋण आसानी से मिलेगा.

सिंह
दिन मिलाजुला रहेगा. आर्थिक स्थिति चिंताजनक रहेगी. व्यापार में आय की अपेक्षा व्यय अधिक होगा. नौकरी में आपको बिना कारण बताएं निकाला जा सकता है. आर्थिक पक्ष कमजोर रहेगा.

कन्या
दिन सामान्य रहेगा. आर्थिक क्षेत्र में कोई महत्वपूर्ण निर्णय सोच विचार कर ले. धन एवं मान बढ़ेगा. उद्योग धंधे में उन्नति के साथ कोई बड़ी उपलब्धि मिलने के योग हैं. पैतृक संपत्ति विवाद सुलझेगा.

तुला
दिन अच्छा रहेगा. जमा पूंजी में वृद्धि होगी. किसी महत्वपूर्ण कार्य के संपन्न होने से धन लाभ होगा. व्यापार में आय बढ़ाने के प्रयास सफल होंगे. किसी प्रियजन से वस्त्र आभूषण प्राप्त होंगे.

वृश्चिक
दिन बढ़िया रहेगा. व्यापार में आय बढ़ेगी. मित्र से वस्त्र, आभूषण प्राप्त होंगे. रुका हुआ कार्य पूरा होगा. रुका हुआ धन वापस मिलेगा. किसी धनवान व्यक्ति से संबंधों में निकटता आएगी.

धनु
दिन मिलाजुला रहेगा. आर्थिक स्थिति बेहद खराब रहेगी. उधर ना चुका पाने के कारण अपमान सहना पड़ सकता है. व्यापार में कठिन परिश्रम के बाद भी अपेक्षित लाभ नहीं मिलेगा.

मकर
दिन उत्तम रहेगा. आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. पैतृक धन संपत्ति मिलने के योग हैं. व्यापार में अपनी सूझबूझ एवं कार्य अनुभव के अनुसार धन प्राप्त करेंगे. कारोबार विस्तार पर धन व्यय होगा.

कुंभ
दिन मिलाजुला रहेगा. गुप्त धन प्राप्त होगा. प्रेम संबंधों में व्यापारिक स्थिति के क्षेत्र में कुछ आर्थिक योजना में सफलता प्राप्त होने की संभावना रहेगी. संपत्ति संबंधी वाद विवाद बढ़ सकते हैं.

मीन
दिन बढ़िया रहेगा. आर्थिक क्षेत्र रुका हुआ धन देर से मिलेगा. भूमि के क्रय विक्रय से धन लाभ होगा. गृह निर्माण एवं मंगल उत्सव में धन व्ययअधिक होगा. व्यापार में धन लाभ के नए स्रोत खुलेंगे.

उसी विचार धारा के तहत भाजपा द्वारा चुने गए गलत उम्मीदवार का विरोध कर रहे हैं- सरयू राय

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (धनबाद): धनबाद लोक सभा के भाजपा प्रत्याशी सह बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो तथा भाजमो के सरयू राय के बीच उतपन्न विवाद अब थमने का नाम नही ले रहा है, एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाने के बाद चुनावी माहौल में चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है।

सोमवार को सरयू राय ने भाजपा प्रत्यासी द्वारा कब्जा की गई सरकारी जमीन, आदिवासी रैयतों की जमीन का सत्यापन करने बेहराकुदर, दरीदा, सिंदवारटांड में बने बड़े बड़े चारदीवारी का अवलोकन किया. इसके बाद कांग्रेस नेता अमित महतो के मुराईडीह बस्ती स्थित आवास में पत्रकारों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी. चाहे वह मेरे प्रिय मित्र लालू यादव हो या ढुल्लू महतो, भाजपा से अलग रहने के बाद भी मेरी विचार धारा आज भी वही है. जन संघ के नेताओं द्वारा कहा गया था कि प्रत्यासी चुनने में अगर भूल हो जाती है, तो पार्टी के कार्यकर्ताओं व समर्थक उसका सुधार लाने का प्रयास कर सकते हैं. उसी विचार धारा के तहत भाजपा द्वारा चुने गए गलत उम्मीदवार का विरोध कर रहे हैं। धनबाद लोक सभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने पर कहा कि भारतीय जनतंत्र मोर्चा के प्रदेश कमेटी अगर आदेश देती है तो अवश्य चुनाव लड़ने का काम करेंगें।

इस दौरान दर्जनों रैयतों ने सामूहिक हस्ताक्षर युक्त शिकायत पत्र सोपते हुए न्याय की मांग की. इसके बाद मुराईडीह बस्ती से निकलकर चिटाही बस्ती स्थित अशोक महतो के घर पहुंच विवादित जमीन की जानकारी ली. इससे पूर्व बेहराकुदर में आंसू सिंह के आवास नें कार्यकर्ताओं ने गर्म जोशी के साथ स्वागत किया।

कोयलांचल में पृथ्वी दिवस पर बच्चों ने निकाली जागरूकता रैली

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (धनबाद): पृथ्वी दिवस के अवसर पर झरिया कोयला क्षेत्र के बच्चों ने कोयला क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में एक अनोखी जागरूकता रैली निकाली और संबंधित अधिकारियों से पृथ्वी को ओपन कास्ट कोयला खनन से होने वाले अत्यधिक नुकसान से बचाने की अपील की।

यह आकर्षक कार्यक्रम झरिया स्थित शैक्षणिक एवं सामाजिक परियोजना कोलफील्ड चिल्ड्रेन क्लासेज, झरिया द्वारा संचालित किया गया था। सोमवार सुबह 30 से अधिक बच्चे सिर में ग्लोब मॉडल और हाथ में तख्तियां लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए मोहिरबांध, कुजमाम, घुनुडीह क्षेत्र में घूमें। मिट्टी के मटके से ग्लोब बनाए गए। लोग जानने को उत्सुक थे कि क्या हो रहा है।

केंदुआ में उगते सूरज के सामने उन्होंने नारा दिया, "क्या कहती है धरती माता?" मेरा रूप वापस दो! "पेड़ लगाओ खुद को बचाओ" उपरांत झरिया के पूर्वी भाग में मोहरीबांध कुजामा कोलियरी में वे मार्मिक नारा लगाएं कि- क्या कहते धरती माता? - मेरा रूप न बिगाड़े" देखो, "प्लास्टिक हटाओ, प्लेनेट बचाओ" आदि। गौर तलब है कि हर साल 22 अप्रैल के दिन सारा दुनिया में पृथ्वी दिवस मनाया जाता है। उद्देश ये है कि सारा दुनिया में वातावरण रहने के लायक बने। झरिया मे बच्चों ने इस कड़ी में हिस्सा लिया ग्लोब का चित्र भी बनाया और केंदुआ घनसाढ़ी इकाई में पेड़ लगाए।

70 साल की बुजुर्ग महिला प्रेमा देवी और कोलकाता के लुब्धक चटर्जी ने केंदुआ में पेड़ लगाए। कार्यक्रम में अतिथि प्रबुद्ध मुखोपधाया, बापी दास के साथ डी नोबिली स्कूल के भी छात्र सौमिल थे, क्लास 12 के सौमिल दे, सौम्यदीप रॉय, अनंगारी रॉय, एमए की छात्रा सावित्री कुमारी भी उपस्थित थीं। सभी ने कहा कि अब हमें खुद को बचाने के लिए पेड़ लगाना चाहिए। सामाजिक कार्यकर्ता और कोलफील्ड चिल्ड्रन क्लासेज के संस्थापक पिनाकी रॉय ने कहा ऐसी रैली के माध्यम से हम सरकार के सामने अपील करना चाहते हैं कि झरिया को अंधाधुंध कोयला खनन से होने वाले प्रदूषण से बचाया जाए। मोहरीबांध, कुजामा, दीपूधोरहा, घुंडीही की धरती अब पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है। बीसीसीएल अपने आप को प्राइवेट कोयला खदानों से तुलना करें, यह कोई रैली नहीं है, यह अगली पीढ़ी का उद्घोष है'। रैली का नेतृत्व पिनाकी रॉय, शिक्षिका मौसमी रॉय व छात्रा सुमन कुमारी ने किया।

झरिया के छात्र पंकज कुमार, सोनू कुमार, रिंकी कुमारी, संजना कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, अनिकेत कुमार, अभिषेक कुमार, नंदनी झा, तानिया कुमारी, नंदनी कुमारी, अंजनी कुमारी, नंदन कुमार, गुंजन कुमारी आदि और केंदुआ के बच्चे दुर्गा कुमारी, प्रेम कुमार, चांदनी कुमारी, राजवीर कुमार, राजू कुमार, नीलम कुमारी, आदि मौजूद थे।

सरयू ने फिर दी चुनाव लड़ने का संकेत, भाजपा और कांग्रेस दोनों को ही हो सकती है धनबाद में परेशानी

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (धनबाद): धनबाद संसदीय सीट पर भारतीय जनतंत्र मोर्चा का हमला लगातार जारी है। इस पार्टी के संरक्षक जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने एक बार फिर हमला बोलते हुए कहा है कि सोमवार तक उनकी पार्टी का धनबाद से चुनाव लड़ने के बारे में अंतिम रूप से निर्णय लिया जाएगा। लेकिन इसमें प्रत्याशी कौन होगा

इस मामले में उन्होंने अब तक मामला गोपनीय रखा है। उन्होंने बताया कि मंगलवार तक इस मामले में पार्टी सर्वसम्मत निर्णय ले लेगी।एक प्रश्न के जवाब में उनका कहना था कि कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह उनसे मिलने आयी थी। बेटी बहू को आशीर्वाद देना हमारी संस्कृति है लेकिन उन्होने व्यक्तिगत रूप से सिर्फ आशीर्वाद दिया है। उसके पार्टी की टिकट का कोई संबंध नहीं।

विश्वास सूत्रों का मानना है कि अगर सरयू राय धनबाद से चुनाव लड़ते हैं तो इसका खामियाजा भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दल को होना तय है।

सरयू राय ने एक बार फिर पूर्व की तरह भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो के खिलाफ जमकर आग उगला। उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रदेश महामंत्री चुनाव आयोग में जो एफिडेविट दिया है उसके अनुसार भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो पर अभी भी 19 मामले लंबित है और केवल दो मामलों में ही सजा हुई है. जबकि वर्ष 2022 में धनबाद एसपी ने झारखंड उच्च न्यायालय में एक रिपोर्ट दी थी जिसके अनुसार भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो पर इससे कहीं ज्यादा मामले लंबित है। साथ ही उन्हें चार मामलों में सजा हुई है उन्होंने बताया की लंबित मामलों में कई संगीन धाराएं भी हैं जिसमें 5 से 10 वर्ष तक की सजा हो सकती है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने डिस्पैच सेंटर एवं कमिश्निंग के लिए चिन्हित कमरों का किया निरीक्षण

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (धनबाद): आसन्न लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के निमित्त जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा ने राजकीय पॉलिटेक्निक धनबाद स्थित चिन्हित बज्रगृह-सह-डिस्पैच एवं कमिश्निंग के लिए चिन्हित कमरों में में चल रही तैयारी का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने क्रमवार डिस्पैच सेंटर के लिए धनबाद एवं झरिया विधानसभा वार तैयार नक्शे में बने ले-आउट के माध्यम से जानकारी प्राप्त की। जिसमें सामग्री/ ईवीएम एकत्र करने वाले दर्शाये गए स्थानों एवं कमिश्निंग के लिए चिन्हित कमरों के संबंध में भवन प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता से जानकारी प्राप्त की।

इसके अलावा जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने वहां बूथवार मार्किंग, रौशनी, सीसीटीवी, सुरक्षा व्यवस्था, सिंगल एक्सेस पॉइंट, सिटिंग अरेंजमेंट, डबल लॉक सिस्टम, साफ-सफाई, अग्नि सुरक्षा, समेत अन्य विभिन्न बिंदुओं का जायजा लेते हुए संबंधित कोषांग के पदाधिकारियों से चर्चा की।

उपायुक्त ने डिस्पैच सेंटर में आवश्यक सभी व्यवस्थाओं के अलावा साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय के अलावा मूलभूत सुविधाएं, बिजली की निरंतर उपलब्धता व मतदान से जुड़े कर्मियों की सुविधा को लेकर किए जाने वाले संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया।

निरीक्षण के क्रम में सुरक्षा व्यवस्था के अलावा बज्रगृह-सह -डिस्पैच सेंटर में पर्याप्त संख्या में अग्निशमक यंत्र व अग्निशमन के लिए अन्य उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश अधिकारियों को दिया। इसके अलावे आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर डिस्पैच सेंटर में प्रतिनियुक्त अधिकारी, मतदान कर्मी की सुविधा को लेकर संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिया।

मौके पर डीडीसी सादात अनवर, डायरेक्टर डीआरडीए राजीव रंजन, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेमा प्रसाद, जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप शुक्ला, डीसीएलआर संतोष गुप्ता, अनुमंडल पदाधिकारी उदय रजक, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनिल कुमार सिंह समेत कई अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहें।

फलेरिया मरीजों को एमएमडीपी किट का वितरण किया गया

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (धनबाद): सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झरिया की ओर से सोमवार को जयरामपुर मैं 45 फलेरिया मरीजों को एमएमडीपी किट का वितरण किया गया. पिरामल फाउंडेशन एसडीसी के सुनिल साव, एमपीडब्ल्यू के वरुण बाउरी की ओर से दिया गया। कार्यक्रम में एएनएम चंदना चटर्जी और सहिया साथी रेखा भट्ट उपस्थित थे। अधिकारियों ने बताया कि किट के माध्यम से मरीज को बताया गया कि इसका उपयोग कैसे करें किट में प्लास्टिक का टव, सावुन, तौलिया, मग, सेवलोन, मलहम, गल्पस के अलावा कई सामग्री थे मरीज को बताया गया कि कैसे इसका उपयोग करें नियमित उपयोग करने से बीमारी नहीं बढ़ेगी समय-समय पर डॉक्टर से सलाह जरूर ले सहिया दिदि घर -घर जाकर जो जानकारी देती है और जो दवा देती है इसका नियमित सेवन करें। सही तरीके से देखभाल करें ताकि रोग बड़े नहीं मच्छरदानी का प्रयोग जरूरी है मच्छर काटने से बीमारी पनपत्ति है अपने घर के आसपास साफ सुथरा रखें किसी भी प्रकार का दिक्कत होने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र जाकर डॉक्टर से जरूर सलाह ले। जानकारी ही बचाव है हम लोग जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आए हैं। मौके पर शांति देवी सुलेखा देवी रानी देवी शांति प्रिया संजू पूनम देवी सरिता देवी रेखा साहनी पुष्प लता देवी मनोरमा गुप्ता आदि थी।

उप विकास आयुक्त ने किया प्रशिक्षण केंद्रों का दौरा

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (धनबाद): जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा के निर्देश पर लोक सभा निर्वाचन के आलोक में मतदान पदाधिकारियों के द्वितीय चरण का प्रशिक्षण आज भी जारी रहा। आज प्रथम मतदान पदाधिकारियों को श्री श्री लक्ष्मी नारायण ट्रस्ट (एसएसएलएनटी) महिला महाविद्यालय, पीके रॉय मेमोरियल कॉलेज तथा गुरुनानक कॉलेज में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कोषांग के वरीय पदाधिकारी सह उप विकास आयुक्त श्री सादात अनवर ने पीके रॉय मेमोरियल कॉलेज तथा गुरुनानक कॉलेज का दौरा किया एवं प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि मॉक पोल करना महत्वपूर्ण है। इसे अच्छे से सभी सीख लें। मॉक पोल डाटा को डिलीट करना ना भूलें। वहीं एसएसएलएनटी महिला महाविद्यालय में जिला शिक्षा पदाधिकारी निशु कुमारी ने प्रशिक्षणार्थियों को आवश्यक निर्देश दिए। प्रशिक्षण सत्र में मुख्य प्रशिक्षक श्री दिलीप कुमार कर्ण ने एक प्रशिक्षणार्थी को बुलाकर उनसे मॉक पोल करने का प्रशिक्षण दिलाया। साथ ही एक फ्लो चार्ट के माध्यम से पूरी मतदान प्रक्रिया को समझाया। ईवीएम में संभावित त्रुटियों को भी उन्होंने बताया और उसके समाधान भी बताए।

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता शमसुल बीएड कॉलेज में

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (धनबाद): शमशुल हक बीएड कॉलेज में पृथ्वी दिवस मनाया गया. जिसमे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसका उद्देश छात्रों को पर्यावरण प्रति जागरूक करना था। कॉलेज में अध्ययनरत सभी प्रशिक्षुओं को जागरूक करने के उद्देश से पौधरोपण एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. साथ ही पंक्षियों के घोषला, ड्रिंकिंग पोट विद्यार्थियो द्वारा कॉलेज परिसर में लगाया गया। एवं इस मौके पर कॉलेज प्राचार्या डॉ पूजा सिंह ने बताया इस दिन दुनिया भर में तरह-तरह के प्रोग्राम आयोजित किए जाते हैं. पृथ्वी प्राकृतिक सौन्दर्य से एक खूबसूरत ग्रह है. यहां हरे-भरे जंगल, लुभावने झरने, ऊबड़-खाबड़ लेकिन शांत पहाड़ के साथ रेत भी हैं हमें इनको बचाने के लिए हर दिन प्रयास करना चाहिए एवं इस दिन को खास दिखाने के लिए इस तरह का आयोजन जरूरी ताकि समाज पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दे सके एवं महाविद्यालय सचिव खुर्शीद मलिक ने भी बच्चों को उत्साहित कर और आगे भी इस तरह के कार्यों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया. मौके पर महाविद्यालय के सभी संकाय सदस्य एवं शिक्षेकेत्तर कर्मचारी उपस्थित थे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने की राजनीतिक दलों के साथ बैठक

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (धनबाद): जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा ने आज राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की और उन्हें आदर्श आचार संहिता, चुनावी खर्च, हर कार्यक्रम के लिए अनुमति लेने की प्रक्रिया सहित अन्य बिंदुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उपायुक्त ने कहा कि राजनीतिक दलों को रैली, सभा या किसी तरह के अन्य कार्यक्रम के आयोजन के लिए सुविधा पोर्टल पर 48 घंटे से पहले ऑनलाइन अनुमति लेना अनिवार्य है। आवेदन प्राप्त होने के बाद "पहले आओ पहले पाओ" के आधार पर अनुमति दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि हर कार्यक्रम में वीडियो सर्विलेंस टीम मौजूद रहेगी। इसलिए जो भी विवरण व्यय पंजी में दर्ज करें, वह सही-सही करें। हर खर्च की सही जानकारी सभी प्रत्याशी उपलब्ध कराएंगे। परिणाम घोषित होने के बाद जांच में खर्च का ब्यौरा गलत पाए जाने पर जीते हुए उम्मीदवार की उम्मीदवारी चुनाव आयोग द्वारा रद्द भी की जा सकती है।

इस अवसर पर व्यय कोषांग के वरीय प्रभारी सह स्टेट जीएसटी के उपायुक्त गालिब अंसारी एवं व्यय कोषांग के नोडल सह सहायक आयुक्त जीएसटी ध्रुव नारायण राय ने चुनाव के दौरान रैली, पदयात्रा, नुक्कड़ सभा, बैनर पोस्टर की छपाई, स्टार कैंपेनर, हेलीकॉप्टर का खर्च सहित अन्य बिंदुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

साथ ही बताया कि नॉमिनेशन से पहले हर उम्मीदवार को एक नया बैंक अकाउंट खोलना अनिवार्य है। इसमें नामांकन से लेकर परिणाम घोषित होने की तिथि तक प्रतिदिन किए गए खर्च को दर्शाना है। इसी अकाउंट से चुनाव के लिए प्राप्त राशि एवं चुनाव के लिए खर्च की गई राशि का लेन-देन करना है। हर खर्च के लिए वाउचर रखना अनिवार्य है। 10 हजार रुपए से अधिक का भुगतान चेक द्वारा करना है।

बैठक में उपायुक्त माधवी मिश्रा, उप निर्वाचन पदाधिकारी कालीदास मुंडा, स्टेट जीएसटी के उपायुक्त गालिब अंसारी, सहायक आयुक्त जीएसटी ध्रुव नारायण राय, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनिल कुमार सिंह, यूआईडी मैनेजर अमित कुमार सिंह, आईटी मैनेजर रूपेश मिश्रा, बिजनेस एनालिस्ट आनंद पटेल, आईएनसी के मिथिलेश तिवारी, भाजपा के नरेंद्र त्रिवेदी, माधव दास, झामुमो के लक्खी सोरेन, आजसू के रतीलाल महतो, आप के रविंद्रनाथ सिंह, बीएसपी के मनोज दास सहित अन्य लोग मौजूद थे।

लोदना एक नंबर चानक पर अपराधियों ने जमकर लूटपाट मचाया

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (धनबाद): लोदना एक नंबर चानक पर बीती रविवार की रात अपराधियों ने जमकर लूटपाट मचाया, गार्ड राजकुमार पासी एवं राजकिशोर कर्मी को बंधक बनाकर लूटपाट की, 100 मीटर केबल काट कर ले गया, इस घटना से कर्मियों में भय व्याप्त है कर्मियों का कहना है कि आए दिन अपराधी चानक पर आते रहते हैं प्रबंधन सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं कर रहा है, रविवार की रात 25 से 30 की संख्या में अपराधी आए थे, गार्ड को बंधक बनाकर लूटपाट की गई है, इधर कोलियरी प्रबंधन घटना की जानकारी होने से इनकार कर रहा है वहीं लोदना ओपी पुलिस भी घटना की जानकारी से इनकार कर रही है जबकि कोलियरी अभियंता अंकित कुमार का कहना है कि घटना की लिखित सूचना लोदना ओपी में दी गई है, इस संबंध में कर्मियों ने कहा कि रविवार की रात अपराधी आए थे गार्ड राजकुमार पासी एवं रामकिशोर कुर्मी साहित्य अन्य कर्मियों को बंधक बना लिया गया था, लूटपाट कर 100 मीटर केबल काट कर ले गए, उन लोगों ने कहा कि यह घटना सीआईएसएफ के हटने के बाद से शुरू हो गई है, प्रबंधन यहां से सी आई एस एफ को हटा लिया है,

सीआईएसएफ के हटते ही लुटेरे सक्रिय हो गए हैं, चानक पर पहुंच कर लूटपाट करते हैं वहां पड़े लोहे के समान को उठाकर ले जाते हैं वे लोग हथियार से लैस रहते हैं जिसके कारण कर्मी उनका विरोध नहीं कर पाते हैं, अगर यही हालत रही तो चाणक के समीप जितने भी लोहे पड़े हुए हैं वह धीरे-धीरे लोहा चोरों का भेट चढ़ जाएगा, इधर क्षेत्र में चर्चा है कि प्रबंधन में प्रशासन के लापरवाही से यह सब धंधा हो रहा है, यदि जल्दी इस पर लगाम नहीं लगा तो कंपनी को लाखों का नुकसान हो सकता है।

मोहरी बाँध के समीप मिले अधेड़ व्यक्ति के शव की अबतक पहचान नहीं हो सकी

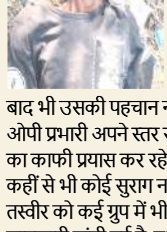

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (धनबाद): घनुडीह ओपी क्षेत्र के मोहरी बाँध के समीप रविवार की देर शाम एक अधेड़ व्यक्ति का शव मिला था 24 घंटे बीत जाने के बाद भी उसकी पहचान नहीं हो सकी है। ओपी प्रभारी अपने स्तर से इसकी पहचान का काफी प्रयास कर रहे हैं. पर अभी तक कहीं से भी कोई सुराग नहीं मिला है. इसकी तस्वीर को कई ग्रुप में भी डालकर लोगों से जानकारी मांगी गई है. प्रभारी पवन कुमार ने बताया कि 72 घंटे तक हम इसका इंतजार करेंगे की कोई उसे पहचान ले ताकि आगे की कार्रवाई की जा सके. हालांकि देखने से प्रतीत होता है कि बीमार किस्म का व्यक्ति था. कहां से भटकता हुआ आया है. यह अभी पता नहीं चल रहा है. 72 घंटे के बाद इसे धनबाद भेजा जाएगा. और वरिए अधिकारी के निर्देश पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। ओपी प्रभारी ने कहा कि किसी को भी जानकारी हो तो पुलिस को सूचना करें पुलिस हर संभव मदद करेगी। चोट या किसी तरह का शरीर में खरोच भी नहीं है।

आम के पौधे लगा कर पृथ्वी दिवस पर लिया धरती बचाने का संकल्प

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (धनबाद): ग्रीन लाइफ झरिया एवम यूथ कॉन्सेप्ट के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को पृथ्वी दिवस पर प्राथमिक विद्यालय खास झरिया के प्रांगण में आम एवम् मेहगुनी के कई पौधे लगाए गए।

सभी लोगों ने एक एक पौधा लगा कर पृथ्वी की रक्षा का संकल्प लिया। ज्ञात हो कि पृथ्वी दिवस के दिन हवा, पानी, धरती, नदी, तालाब, वृक्ष जैसे प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा एवम् बेहतर कल के प्रयासों में एकजुट होने का आग्रह करते हैं।

ग्रीन लाईफ के संयोजक डॉ मनोज सिंह ने कहा कि यह पृथ्वी हमें पूर्वजों से विरासत में नहीं मिली, बल्कि भावी पीढ़ी से उधार में मिली है। अतः यह धरती हमें आने वाली पीढ़ी को सुरक्षित लौटाने के लिए इसकी रक्षा जरूरी है। डॉ मनोज ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा के लिए हमें अधिक से अधिक पौधे लगाने के साथ ही वृक्षों की रक्षा करनी होगी। रोजगार के लिए ही मानव ने जंगलों को नुकसान पहुंचाया है, अब समय आ गया की पेड़ लगाने की प्रवृति को स्वरोजगार से जोड़ा जाए।

यूथ कॉन्सेप्ट के संयोजक अखलाक अहमद ने कहा की कोयलांचल में व्याप्त वायु प्रदूषण जलवायु परिवर्तन का कारण बन रहा है। हमारी भावी पीढ़ियां अधिक गर्मी, अधिक ठंढा एवम् अधिक बरसात से प्रभावित होगी। अखलाक ने कहा कि कोयला खनन की गलत नीतियों पर यदि रोक नहीं किया जाता है तो यहां वायुमंडल में इतना ऑक्सीजन की कमी होगी की लोगों को पीठ पर ऑक्सीजन बैग ले कर चलना होगा।

शिवचरण शर्मा एवम् श्रीकांत अम्बष्ठ ने कहा की यदि आज हम पर्यावरण की रक्षा नहीं किए तो भावी पीढ़ियां हमे माफ नहीं करेगी। अतः प्रत्येक व्यक्ति काम से काम एक वृक्ष जरूर लगाएं।

कार्यक्रम में प्रधान शिक्षक भूपेंद्र सिंह, डॉ मनोज सिंह, अखलाक अहमद, श्रीकांत अम्बष्ठ, शिवचरण शर्मा, राजेश राउत, मो० फिरोज, मो० चाँद, अजय कुमार, मो० सोहेल, चादनी प्रविण, मुस्कान प्रविण, साहीबा प्रविण, कायनात प्रविण, फलक प्रविण आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

जदयू ने लोस चुनाव में लिया ढुल्लू महतो को जीताने का संकल्प

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (धनबाद): जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आह्वान पर लोकसभा चुनाव 2024 में धनबाद संसदीय क्षेत्र से भाजपा के प्रत्याशी ढुल्लू महतो को जीतने का संकल्प लिया गया। यह निर्णय सोमवार को हीरक रोड स्थित द रीत होटल में एक बैठक में ली गई। बैठक के पश्चात संवाददाताओं से बातचीत करते हुए पार्टी के प्रदेश महासचिव सुशील कुमार सिंह ने सभी से आह्वान किया कि इस बार लोकसभा चुनाव में एनडीए घटक भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी ढुल्लू महतो को हर हाल में जितना है. उन्होंने कहा कि पार्टी के केंद्रीय कमेटी ने यह निर्णय लिया है की धनबाद लोकसभा सीट से ढुल्लू महतो को हर हाल में जितना है। मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष हाजी हबीब खान, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य विजय सिंह कुशवाहा, प्रदेश सचिव राजू सिंह, धनबाद नगर अध्यक्ष धनलाल दुबे, वरिष्ठ नेता सकलदेव राय, धनबाद प्रखंड अध्यक्ष बबलू मोदक, बलियापुर प्रखंड अध्यक्ष शिवचरण महतो, स्मृति कांत सिंह, अशोक सिंह, विजय सिंह तथा जिला महासचिव जयपुर सिंह आदि थे।

BHOLA ELECTRICAL
G.T.ROAD NEAMATPUR, AASANSOL WEST BENGAL—713359
ALL KIND OF ELECTRICAL JOB : CONTACT : 9064588166
SALES, SERVICE & CCTV CAMRA INSTALLATION,
HOUSE WIRING, MOTER & FAN WINDING

पानी का संरक्षण, पृथ्वी में जीवन का संरक्षण

जल की एक एक बूंद जीवन के लिए बहु उपयोगी

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल 2024: जल की एक बूंद का संरक्षण मानवीय जीवन के संरक्षण के सदृश्य है। जल की एक-एक गुण जीवन के लिए बेशकीमती और बहु उपयोगी है। जल की बर्बादी भविष्य के बहुत बड़े खतरे को इंगित करती है, यदि पृथ्वी पर जल नहीं होगा तो जीवन की संभावनाएं भी विलुप्त हो जाएंगीं। सामान्य तौर पर देखेंगे तो जल की उपलब्धता को लेकर कोई विशेष संकट नजर नहीं आता है। किंतु वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है। पृथ्वी की सतह का लगभग 70% भाग जल से आच्छादित है।पृथ्वी पर उपलब्ध समस्त जल का 97% समुद्र खारा पानी है, जो उपयोग के योग्य नहीं है। अतः मात्र 3% जल ही पीने के योग्य है, इससे भी कम जल नदी, तालाब, झीलों भूगर्भीय जल के रूप में मनुश्य व अन्य जीवों के पीने के योग्य मीठे पानी के रूप में उपलब्ध है, परिणामतः पीने योग्य जल का संकट और गहराता जा रहा है। यदि मानव सभ्यता के इतिहास को खंगाले तो यह तथ्य सामने आता है कि बड़ी -बड़ी सभ्यता एवं संस्कृतियाँ नदी, घाटियों में विकसित और फलित हुई है। जल अपने स्वरूप में निर्मलता धारण किए हुए पवित्रता का प्रतीक है, लेकिन इसकी क्रमिक रूप से घटती मात्रा में जल संकट अस्तित्व को खतरा उत्पन्न कर दिया है। जल अब राज्यों तथा विभिन्न देशों के मध्य बड़े विवाद का कारण बनता जा रहा है। जल मनुष्य के जीवन का अत्यंत आवश्यक स्वरूप है जल के बिना कल नहीं है और जल ही जीवन कहलाता है। ऐसे में जल का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। जल का विवाद सिर्फ गांव तहसील के जिलों में नहीं बल्कि राज्य और देशों के बीच भी गहराता जा रहा है। इसका बहुत बड़ा उदाहरण कावेरी, मांडवी जैसे अंतरराष्ट्रीय नदियों गंगा, ब्रह्मपुत्र में नील, सतलज जैसी अंतरराष्ट्रीय नदियां हैं। वैश्विक जल संकट से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र एशिया, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप, अफ्रीकी देशों में एक बड़ी आबादी जला भाव के कारण काल कब रीत हो रही है। जल संकट की यह समस्या और अंतरराष्ट्रीय स्वरूप धारण कर चुकी है एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इसकी मांग उठाई जा रही है। पृथ्वी पर पीने की योग्य जल की उपलब्धता घटती जा रही है वहीं विकास एवं औद्योगिकरण की प्रक्रिया में जल का अंधाधुंध दोहन किया जा रहा है। मानव के जल दोहन का बेतरतीब उपयोग जल चक्र के संतुलन को नष्ट कर रहा है। प्रकृति में मानव के हस्तक्षेप के कारण ही ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई से ताजे जल के संकट को कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है। शहरों में प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता का स्तर निरंतर कम होते जा रहा है। इसका सबसे सर्वोत्तम उदाहरण दक्षिण अफ्रीकी शहर कैपटाउन एवं भारत के बंगलुरु शहरों में असीमित जनसंख्या के दबाव में लहराते जल संकट के कारण इन शहरों में यानी नो वाटर सप्लाई दिवस तक की नौबत आ गई है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा प्रकाशित जल विकास रिपोर्ट 2018 में पीने योग्य जल की घटती उपलब्धता एवं गहराता संकट को लेकर महायुद्ध की संभावनाओं का खुलासा किया है। जल संकट को लेकर अगले महा युद्ध की संभावनाओं को यदि टटोलने तो यह बात सत्य प्रतीत होती है जिसमें एक तरफ जलाभाव वाले देश का होगें तथा दूसरा पक्ष जलाधिक्य वाले देशों की होगी। जल के निरंतर गिरते स्तर को लेकर ऐसी विकराल स्थितियां उत्पन्न हो सकती है जिसके कारण मानवता तार-तार हो जाएगी और जल का उपयोग करने वाले जैविक जीवन का स्थिति समाप्त हो जाएगा। अतः यह उचित होगा कि समय रहते हम इस संकट को भाप लें एवं जल जैसे हम उन संसाधन के संरक्षण को लेकर युद्ध स्तर पर उचित कदम उठाएं। यूनाइटेड नेशंस वाटर अभियान के माध्यम से जल संकट से विश्व को अवगत करवाते हुए जल संकट के संबंध में आमजन को जागरूक करने का प्रयास कर रहा है। दूसरी तरफ प्रसिद्ध non-governmental ऑर्गेनाइजेशन जल संकट से विश्व को अवगत कराते हुए जल संरक्षण के संबंध में सराहनीय प्रयास कर रहे हैं। आवश्यकता से अधिक जल प्रयोग करने से धरती का जलस्तर कृषकों की पहुंच से परे होता जा रहा है। वैश्वीकरण व उपभोक्तावादी संस्कृति से प्रेरित अंधाधुंध विकास की दौड़ में जल स्रोतों को प्रदूषित कर मानव समाज ने स्वयं अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने का काम किया है। बढ़ती जनसंख्या भी वैश्विक जल संकट का एक बड़ा कारण है। यदि जनसंख्या की वृद्धि की रफ्तार से होती रही तो अगले दशक में वैश्विक जनसंख्या में वृद्धि की दर से 25% जनसंख्या को प्रयोग जितना ही पानी उपलब्ध हो पाएगा। यह भयानक जल संकट तथा वैश्विक खतरे की ओर इंगित करता है। वैश्विक स्तर पर जल विवाद लगातार होते रहते हैं मध्य एशिया में कैस्पियन सागर के जल बंटवारे संबंधी विवाद का समाधान तटवर्ती देशों द्वारा संधि के माध्यम से किया गया है। भारतीय संदर्भ में देखा जाए तो स्थिति और भी जटिल होती जा रही है देश की जनसंख्या तो विश्व की जनसंख्या का लगभग 17.5% है, लेकिन ताजे जल की उपलब्धता 1% से भी कम है। राजस्थान में स्थिति जल संकट की बड़ी भयावह है वहां जल की उपलब्धता 1% से भी बहुत नीचे जल संकट वहां की नियति बन गई है। 2040 तक भारत के तीन चौथाई शहरों को जल संकट से जूझना होगा। अब हमारा दायित्व तथा कर्तव्य होगा कि समाज को जल संरक्षण के लिए प्रेरित करें एवं जल संरक्षण से संबंधित विधि तथा तकनीक से परिचित कराएं एवं उसका समुचित उपयोग करें। व्यक्ति स्वयं जल का संरक्षण करें तथा दूसरों को भी जल संरक्षण के लिए प्रेरित करें ताकि हम आने वाले कल के लिए जल संकट रूपी विकराल एवं जनता हर समस्या का सामना आसानी से कर पाएं। जल संकट के महाविनाश से यदि बचना है तो जल संरक्षण हर नागरिक को एक कर्तव्य की तरह करना होगा।

संजीव ठाकुर
चिंतक, लेखक, संयोजन कर्ता
रायपुर छत्तीसगढ़

नदियों की दुर्दशा पर किसी को कोई चिंता ही नहीं

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल 2024: हम भी स्वच्छता में अपना हाथ बटाए, ताकि शुद्ध जल की प्राप्ति हो सकें। जल को स्वच्छ रखने में हमारी भूमिका क्या होनी चाहिए।नदियो व अन्य जल संरचना यथा तालाब, झील, कुआ, बावड़ी आदि हमारी संस्कृति व परंपरा मे पूजा के स्थल रहे है, इनकी अनुपलब्धता या दूषित होने पर हेंड पम्प व नलकूप की पूजा करके भी परंपरा का निर्वाह किया जाता रहा है लेकिन प्राकृतिक जल संसाधन के रखरखाव के प्रति समुचित जिम्मेदारी का अभाव सा ही रहा है. नदियों व जल संरचनाओं के क्षरण व विलुप्तिकरण के प्रमुख कारण रहे है – नगरीय निकायों द्वारा सीवरेज (मल मूत्र) निकासी की समुचित व्यवस्था न करते हुए सीधे नदी, सहायक नदी, नालों, तालाबों मे इसे छोड़ देना, औधोगिक इकाइयों द्वारा प्रदूषण नियंत्रण के वचनो का पालन न करते हुए अपशिष्ट को अनुपचारित ही इसमें प्रवाहित कर देना।संरचनाए प्रदुषित व बदबूदार हो गई उसमे तो उसने विसर्जन बंद कर नए स्त्रोत की तलाश की तथा बर्बाद को और बर्बाद करने मे कूड़ा, करकट, अनुपयोगी व निर्माण सामग्री आदि फेंक कर इस पाप मे हिस्सेदारी जरूर की है।उदगम से संगम तक नदी के पुनर्जीवन के लिए करना चाहिए। इसके अलावा नदी का महत्व घाट से बढ़ जाता है। जहां घाट नही वहा धार्मिक कार्य एवं जीवन उपयोगी कार्य को करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। घाट का निर्माण हर नदी के गांव के किनारे पर किया जाना चाहिए। लोगों को भी चाहिए की नदी में आसपास की कालोनियों का गंदा पानी सीधे नदी में ना छोड़े। देखा जाएकई स्थानों पर नदी को प्रदूषणमुक्त करने की मांग की जाती है। जो की पर्यावरण की दृष्टि से सराहनीय है| धार्मिक पर्व पर नदियों में श्रद्धालु तथा परिक्रमावासी स्नान, पूजन का कार्य करते है।नदियों को प्रदूषण से मुक्त रखने हेतु कई स्थानों पर सामाजिक संस्थाएं कार्य कर रही है।ताकि पानी स्नान, आचमन योग्य हो सके। ऐसी व्यवस्था का संकल्प लेना होगा। कई नदियों के तट स्थित रहने वाले कई रहवासी अपने घर के निकले गंदे पानी का निकास घर के पीछे करते है और उस गंदे पानी को सोख्ता गड्ढे में समाहित करते है| साथ ही वाटर ट्रीटमेंट प्लांट की योजना बनावे ताकि गन्दा पानी स्वच्छ जल में न मिल पाए।वर्तमान में ऐसी ही प्रक्रिया को अपनाने की आवश्यकता है। ताकि सीधे तौर पर गंदा पानी पावन नदियों के नदियों में न मिल पाए। नदियों को स्वच्छ बनाने के लिए नागरिकों आगे आना चाहिए। नदियों को प्रदूषण से मुक्त करने का दायित्व निभाने वाली संस्थाओं को पुरस्कृत कर उन्हें शासन से सहायता मुहैया होना चाहिए ताकि नदियों के शुद्धिकरण से सभी को शुद्ध जल का लाभ मिलकर जल संक्रमण से होने वाली बीमारियों से निजात मिल सके। स्वच्छता का संदेश और जागरूकता लाना हर इंसान का कर्तव्य है क्योंकि स्वच्छता से ही बीमारियों, प्रदूषण को मुक्त रख कर स्वास्थ्य का लाभ हमें एक नई दिशा प्रदान कर सकता है|

संजय वर्मा "दृष्टि"
मनावर जिला -धार

पौष्टिक आहार के लिए वीगन डाइट सर्वश्रेष्ठ

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल 2024: यह निश्चित है कि शुद्ध शाकाहारी आहार लेने के कई फायदे हैं। यदि आप अपने जीवन में संतुलन के साथ इसे अपनाते हैं तो न सिर्फ आपका शरीर सेहतमंद और तंदुरुस्त रहता है बल्कि आपकी फिटनेस पर भी काफी कंट्रोल दिखता है। यही वजह है कि कई खिलाड़ी, सेलिब्रिटीज इसे अपनाते हैं, जबकि उन्हें सबसे ज्यादा ऊर्जा व ताकत की आवश्यकता होती है।

पूरी दुनिया में वीगन डाइट के प्रति एक विशेष लगाव देखा जा रहा है। इसकी बढ़ती लोकप्रियता की तीन बड़ी वजह हैं। पहली यह कि वीगन आहार प्राप्त करने के लिए जानवरों, प्राणियों और पशु पक्षियों में से किसी को भी परेशान नहीं किया जाता। दूसरा पर्यावरण को किसी भी तरह से क्षति नहीं पहुंचाई जाती है। तीसरा यह कि स्वास्थ्य के लिए बहुत अधिक फायदेमंद होता है।

अब यह जान लें कि आखिर यह वीगन होता क्या है? जो खाद्य पदार्थ इसमें शामिल होते हैं, उन्हें किसी जीव से प्राप्त उत्पादों के रूप में प्राप्त न किया गया हो यानि कि मांस, अंडे और अन्य डेयरी उत्पादों का भी निषेध रहता है। इसमें प्रकृति को कहीं आहत नहीं किया जाता बल्कि प्रकृति से प्राप्त होने वाले अत्यधिक फायदेमंद साबुत अन्न, फल-सब्जियां, दालें, सूखे मेवे, बीज आदि खाने से बिना किसी पकाने की झंझट के सीधे ही हमें अत्यधिक कैलोरी का प्रोटीन और जरूरी कार्बोहाइड्रेट और फैट की प्राप्ति हो जाती है। इसमें सुबह सवेरे से लेकर दोपहर के 4:00 बजे तक कच्चे फल और सब्जियों को ही आहार में लिया जाता है, जबकि डिनर के समय पर पका हुआ भोजन ग्रहण करना होता है।

वीगन आहार को लेने से हमारा ब्लड प्रेशर, शुगर कंट्रोल रहता है और कमर के आसपास फैट कम रखने में सफलतापूर्वक फायदा लिया जा सकता है। दिल और दिमाग की सेहत के लिए भी यह अत्यधिक कारगर साबित हुआ है। इसके चलते यदि कोई चोट लग जाती है तो वह धाव जल्दी से भर जाता है। यदि कोई तात्क्षणिक बीमारी का प्रभाव हो जैसे वायरल बुखार, सर्दी-गर्मी, खांसी, जुखाम आदि तो उसमें रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने से हमें जल्द रिकवरी होती है। वीगन डाइट में एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर होते हैं, जिससे शरीर हमेशा चुस्त -दुरुस्त रहता है। शरीर की मांसपेशियां मजबूत रहती है। अधिकतर खिलाड़ियों को शारीरिक तंदुरुस्ती के साथ एनर्जी की भरपूर आवश्यकता होती है, तब कार्बोहाइड्रेट्स भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में यदि वीगन आहार के जरिए प्रोटीन की पर्याप्त मात्रा ली जाए तो सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी को पूरा करने के लिए अन्य किसी खाद्य पदार्थ का सहारा लेने की जरूरत नहीं होती है। वीगन आहार के जरिए शरीर को जो फाइटोकेमिकल्स मिलते हैं, वह कैंसर से लड़ाई में सहायक होते हैं।

वीगन आहार अपनाने में यह ध्यान रखना आवश्यक है कि विटामिन बी 12 जो सबसे बड़ा स्रोत पशुओं से प्राप्त होता है उसे किस तरह से फोर्टीफाइड आहार में शामिल करें। यदि कैल्शियम की कमी की समस्या आती है तो संतरा एक अच्छा स्रोत रहे। कई तरह के सोया उत्पाद भी कैल्शियम और विटामिन डी की कमी से को पूरा करने में कामयाब हो सकते हैं। वीगन में अवरुद्ध ओमेगा 3 फैटी एसिड की पूर्ति अलसी, अखरोट और कद्दू के बीज से करनी चाहिए। शाकाहारी भोजन में जो आयरन होता है उसका शरीर के द्वारा अवशोषण बहुत आसानी से नहीं होता है। इसलिए वीगन आहार अपनाने वालों को आयरन और जिंक की पूर्ति के बारे में सोचना होगा। बिना किसी जानकारी व एक्सपर्ट से राय-मशविरा के यदि आनन-फानन में इसका इस्तेमाल से इसके फायदे होने के बजाय नुकसान भी हो सकते हैं।

जो लोग मांसाहारी भोजन करते हैं, उनके शरीर में अतिरिक्त वसा का जमाव होता है। जबकि वीगन आहार वालों की काया छरहरी होती है। उनका बॉडी मास इंडेक्स भी मांसाहारियों की तुलना में कम होता है। स्वस्थ शरीर के लिए फाइबर लेना आवश्यक है, जिसके लिए हमें फल, सब्जियों की मात्रा का संतुलन बनाकर भूख की संतृप्ति का ध्यान रखना होगा। जंक फूड व गैर पौष्टिक चीजों को खाने से बचना होगा। जो लोग रिफाइंड अनाज, शक्कर युक्त जूस, आलू की चिप्स और अन्य चीजें खाते हैं, उन्हें वीगन होने का कोई विशेष फायदा नहीं मिल पाता है। इस तरह वीगन आहार एक अनुशासन है, जिसे व्यक्ति अपनाकर अपने आहार के प्रति सतर्कता बनाए रखता है।

बहुत सारे खिलाड़ी और फिल्म व टीवी जगत से जुड़े सेलिब्रिटीज वीगन डाइट को अपनाकर अपना शारीरिक संतुलन बनाए रखने में कामयाब रहते हैं। उनकी हमेशा खानपान पर नजर रहती है और वे नपा तुला खाद्य सामग्री का भोजन ही ग्रहण करते हैं। आम लोगों के लिए पोषक तत्वों की पर्याप्त मात्रा लेना और पोषण की परंपरा का निर्वहन सही माप-दंड से हो पाना कठिन होता है। अच्छे आहारविद् की मदद से डाइट का चुनाव करना ही सर्वोत्तम विकल्प है। तब यह निश्चित है की वीगन डाइट के फायदे अनेक हैं। यदि आप इसे अपनाते हैं, तो असर जल्द ही नजर आने लगता है।

डॉ.मनीष दवे
महालक्ष्मी नगर, इंदौर

सोचिए आखिर इन सबका जिम्मेदार कौन .....?

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल 2024: इस समय जिले में अपराधिक घटनाओं जैसे बलबा मारपीट, जबरन दूसरों की जमीनों पर कब्जा, सड़क हादसे, द्रुतगामी बाइक फोर व्हीलर भिडंत, दहेज हत्या, आत्महत्या जैसी संदिग्ध मौतों में इजाफा हुआ है। इसके साथ ही बलात्कार, छेड़खानी, छिनैती, महिलाओं युवतियों और छात्राओं को अगवा करके उनके साथ सामूहिक दुष्कर्म करने वाली अप्रिय घटनाओं में बेतहाशा वृद्धि हुई है। अग्निकांड, किसानों की पकी खेतों में खड़ी फसलें जलकर राख में तब्दील हो रही हैं। ये अग्निकांड जैसी घटनायें अज्ञात कारणों, बिजली की चिंगारी और मानव जनित भी होती हैं।

दुखद अप्रिय वारदातें तो होती ही रहेंगी। लोगों को खुद बाखुद ऐसी वारदातो को अंजाम नही देना चाहिए। स्वयं की लालच, हवस पर नियंत्रण पाने की जरूरत है। लालच और खुद गरजी की वजह से ही हत्या, बलात्कार, छिनैती चोरी डकैती, दहेज हत्या जैसी घटनाओं में इजाफा हो रहा है। सड़क हादसे के बारे में इतना कहना ही काफी है कि वहां चालकों द्वारा यातायात के नियमो का पालन नहीं किया जा रहा है। जब कि सरकार जागरूकता पर लाखो रुपए खर्च करती है। पुलिस यातायात पुलिस और परिवहन विभाग के लोग आए दिन हेलमेट पहनो सीट बेल्ट लगाओ, गति सीमा नियंत्रित रखो, डीएल और आरसी साथ रखो। चालान जुर्माना से भी बचो। नशा करके वहां मत चलाओ, यातायात के नियमो को पालन करो। सुरक्षित घर पहुंचो वहां आप का कोई इंतजार कर रहा है। लेकिन नही......... लोगों का मानना है कि जो कुछ भी हो रहा है, सब प्रभु इच्छा पर।

मारपीट बलवा, दहेज उत्पीड़न और महिलाओं के साथ छेड़खानी, छात्राओं को अगवा कर बंधक बनाकर उनके साथ दुष्कर्म और सामूहिक बलात्कार किया जाना, चोरी छिनैती आदि दुखद एवम अप्रिय घटनाएं होना जाहिरा तौर पर पुलिस महकमे की हनक और सख्ती की नाकामी ही कही जाएगी। ऊपर से यदि थाना पुलिस पीड़तों की तरफ तवज्जो नहीं देता है तो सबसे अधिक दुखद स्थिति यही कही जाती है।

थानों पर गंभीर मामलों में सुसंगत धाराओं की अनदेखी करके उनका अल्पीकरण करना एक परंपरा बन गई है। हत्या को दुर्घटना और डकैती को छोटी चोरी कहने का रिवाज समाप्त किए जाने की जरूरत है। पुलिस पीड़ितों के साथ मित्रवत व्यवहार भी नही करती है। पुलिस का रवैया अंग्रेजों के जमाने जैसा ही है। बड़े बड़ों की अकल थाना पहुंचने पर ठिकाने लग जाती है। थाना पुलिस से यदि दलालों और विचौलियों की मित्र सेवा कम या बंद हो जाए तब कुछ उम्मीद जगती है कि आम आदमी गरीब तबके के लोग पुलिस से जस्टिस पा सकते हैं। पुलिस जन भी अपने हाव भाव से दर्शाते हैं कि उन्होंने इस महकमे में नौकरी ही इसीलिए किया है कि रुतबा रुआब और पैसा मिले।

सरकारी विभागों में छोटे से लेकर बड़ा काम लेकर कार्यालयों में जाने वालों को तरह तरह से परेशान किया जाता है। यह क्रम तब तक जारी रहता है जब तक बिचौलियों का सहारा न लिया जाए। यहां भी दलाल प्रथा कायम है। घूस देने पर ही काम होगा अन्यथा भटकते ही रहिए। परिवहन विकास कृषि गन्ना मार्केटिंग उद्यान बिजली रजिस्ट्री पूर्ति शिक्षा बैंक डाकघर रेलवे जैसे अनेकों प्रदेशीय और केंद्रीय महकमे में सुविधा शुल्क का प्रचलन अपनी गति से चल रहा है। हो हल्ला करने वाले भी अपना काम करते हैं। लेकिन मजाल क्या कि किसी पर कोई असर पड़े। पूर्ति महकमा की बात चले तो कोटेदार और राशन लाभार्थियों की बातें होना लाजिमी हो जाती हैं। इनके बीच होने वाली अप्रिय घटनाएं अशोभनीय वार्ता लाप , घटतौली कट तोली आदि का जिक्र न हो तो सब अधूरा ही कहा जायेगा। कोटेदारों की हरकतें प्रायः मीडिया की सुर्खियों में रहती हैं। सरकारी महकमों में तो ऐसा रिवाज है जहां फरियादियों को नजरंदाज किया जाता है। प्रशासन हो या पुलिस महकमा कहीं पर बगैर सुविधा शुल्क के कोई भी काम नही हो रहा है।

उधर सरकार जिले में विकास के नाम पर सरकारी तिजोरी का मुंह खोल देती है। और यहां अधिकारी गण जिले के अवाम को विशुद्ध भारतीय रूप से माननीयों की तरह भ्रमित करने में जुट जाते हैं। मीडिया के जरिए ये होगा वो होगा मतलब जिले में गांव से लेकर कस्बों, बाजारों, और शहरों का काया कल्प हो जाएगा। ऐसा होगा जैसा दुनिया के विकसित देशों में होता है। इनके ऐसा कहने से प्रतीत होता है कि ये किसी विकसित देश के सरकारी अफसर हैं।ऐसे वक्तव्य सर्वथा हास्यास्पद लगते हैं। विभागीय अधिकारियों को चाहिए कि ऐसे मीडिया वक्तव्यों से परहेज करें। इनके द्वारा सच्चाई से रूबरू कराकर जिज्ञासुओं की जिज्ञासा शांत किया जाना चाहिए।

वन विभाग -

जिले में जंगलों की कटान जारी है, कई लाख पेड़ लगाने यानी पौध रोपण होना है। परिणाम सभी देख रहे हैं। फोटो सेल्फी का प्रचलन जोरो पर है। पौध रोपण तो आवश्यक है ही फिर भी पुराने प्राण वायु प्रदाता पेड़ों की अवैध कटान रोकने की जरूरत है।पौध रोपण के बाद ट्री गार्ड और समय समय पर खाद पानी जैसे पोषण की नितांत आवश्यकता होती है। परंतु सरोकारियों द्वारा ऐसा नहीं किया जाता है। यह सोचनीय विषय है।

अग्निकांड और दमकल विभाग

दमकल विभाग में संसाधनों का अभाव है। मैन पावर और संसाधन बढ़ाए जाएं। ऐसा होने पर ही समय पर अग्निकांडो से जूझा जा सकता है। जन धन की हानि से बचा जा सकता है।

मिलावट एक अति महत्वपूर्ण विषय

आज हम जो कुछ भी खाद्य पदार्थ का सेवन कर रहे हैं, वे मिलावटी और सेहत के लिए हानिकारक हैं। मिलावट खोर अपनी कमाई के लिए रसायनों का इस्तेमाल कर अशुद्ध और प्राण घातक सामग्रियां बेंच रहे हैं।

इस पर रोक लगाने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग कार्य रात है।लेकिन विभागीय अधिकारी खाना पूर्ति करके स्वयं की जेबें भर रहे हैं..... सरकारी जिम्मेदारों से बड़े जिम्मेदार हम खुद हैं। हम सुधरेंगे जग सुधरेगा।

आगामी अंकों में हम एक एक महत्वपूर्ण समस्या का विस्तार से प्रकाशन करेंगे। आप हमारे साथ बने रहें। यदि आप कोई टिप्पणी करना चाहते हैं तो आप का स्वागत है। आप के विचार सुझाव आमंत्रित हैं।

सत्यम सिंह गर्गवंशी
युवा पत्रकार

एक बार फिर गरजे रक्षा मंत्री "पीओके हमारा है, और रहेगा

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल 2024: देश में चल रहे आम चुनाव के दौरान एक आमसभा में अपने भाषण के दौरान देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आम जनता को संबोधित करते हुए आश्वस्त किया है कि पाक अधिकृत कश्मीर यानी पीओके जो पाकिस्तान ने हथिया रखा है वह भारत का हिस्सा है और भारत का ही हिस्सा रहेगा, बस पीओके की जनता को अपनी और से भारत से मदद मांगने की जरूरत है,

जब भी इन्होंने भारत से मदद मांगी तो हमारा उनको अपनी ओर से हर तरह की मदद देना नैतिक फर्ज बनता है। बस आज पाकिस्तान के जुल्मों सितम और बढ़ती महंगाई से दुखी पीओके की जनता भारत सरकार से अपनी आजादी के लिए जब गुहार भी लगाएगी तब हम उसे अपनी ओर से हर तरह की मदद देने को हर तरह से तैयार रहेंगे।

सन् 1948 में जिस तरह से काबायलीओ के कश्मीर पर एक हमले के कारण हमारे पूरे बड़े कश्मीर का एक हिस्सा पाकिस्तान ने कब्जा कर लिया था तब उसकी टीस आज तक हमारे दिलों में जिंदा है। आज हमारी भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने जनता से वादा किया है कि हम हमारी सरकार की तीसरी पारी आने पर शीघ्र ही पाकिस्तान के कब्जे से इस पाओके को छीन कर लाना हमारा पहला और आखिरी मकसद रहेगा।

वैसे भी इन दोनों पाक अधिकृत कश्मीर की जनता पाकिस्तान सेना के जुल्मों सितम से काफी अधिक परेशान है फिर उसके साथ ही वहां पर लगातार बढ़ती जा रही महंगाई का भी सर्वाधिक असर पाक अधिकृत कश्मीर पर ही पड़ रहा है तब इससे छुटकारा पाने के लिए इन दिनों पाक अधिकृत कश्मीर में त्राहि त्राहि मची है, अतः जब भी कश्मीर की जनता भारत से पाकिस्तान सेना के जुल्मों सितम से छुटकारा पाने के लिए भारत सरकार से मदद की मांग करेगी तब हम उन्हें हर तरह से मदद पहुंचा कर आज़ादी दिलाएंगे और फिर भारतीय कश्मीर में शामिल भी करवाएंगे।

एमएम राजावतराज
न्यू रोड, शाजापुर

अथ वरिष्ठ नागरिक रेलटिकट रयायत कथा

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल 2024: क्या देश की किसी भी पार्टी को ये याद है कि वंस अपान अ टाइम वरिष्ठ नागरिकों को रेलटिकट में छूट मिला करती थी... इन दिनों देश में चुनाव का मौसम अर्थात सुख-सुविधा के वादों की घोषणा की प्रतियोगिता का मौसम है...। इस मौसम में नेतागणों की कल्पनाशक्ति और दरियादिली का नमूना देखते ही बनता है। इस मौसम में नेतागण वादे तो किसम किसम के और भारी भरकम करते हैं। मगर जो सुविधा पहले से जारी थी उन्हें आरंभ करने में नानी मरी जा रही है। फिर अब नए-नए सुविधा देने के वादों को जारी करेंगे पर इन नए वादोंको पूरा करने की गारंटी कौन लेगा!?यह सभी को ज्ञात है कि अभी कोरोना के पहले तक वरिष्ठ नागरिकों को रेलटिकट में जो छूट की सुविधा मिलती थी उसे तो पिछले ४-५ सालों से बंद कर रखा है उसे ही बहाल करने में नानी याद आ रही है। नए वादे क्या खाकर पूरा करेंगे। भाई कोई तो पार्टी हो जो भूले से भी यह वादा करता कि यदि हम यह चुनाव जीते तो वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाले उस छूट का बनवास हम समाप्त कर देंगे। काश कोई पार्टी तो हो जो वरिष्ठ नागरिकों को रेल टिकट में मिलने वाले छूट को जो बंद कर रखा गया है उस छूट को पुन: बहाल करते हैं तो उनके वादे पर भरोसा किया जा सकता है। और वरिष्ठ नागरिकों की दुआओं और वोट दोनों एकसाथ मिलने की पूरी गारंटी मैं दे सकता हूं। समस्त वरिष्ठ नागरिकों की तरफ से मेरी यही करबद्ध विनती है कि भले ही जो कुछ भी सुविधा और वादों का क्रियान्वयन चुनाव बाद करते रहिएगा लेकिन पहले वरिष्ठ नागरिकों को रेलटिकट में मिलने वाली रियायत को बहाल कर वादा पूरा करने के नियत को साबित करें तो बेहतर होगा। आशा है वही दल विजय सुख हासिल करे जो वरिष्ठ नागरिकों की सस्पेंड सुविधा अर्थात रेलटिकट में छूट की सुविधा आरंभ करने का इरादा रखता हो।

श्याम कुमार राई
'सलुवावाला'

धूम्रपान हर उम्र के लिए मौत

जीवन अमुल्य है। धूम्रपान या मौत की आहट?

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल 2024: धूम्रपान या मौत की आहट जो लोग बीड़ी सिगरेट पीते हैं यदि उनसे इस बारे में पूछा जाए कि क्यों पीते हैं ? इसके क्या फायदे हैं? तो मेरा दावा है कि वे इसका संतोषजनक उत्तर दे ही नहीं पाएंगे,क्योंकि उनके पास क्या, किसी के पास भी इसका सही जवाब नहीं है, वैसे तो इस सृष्टि पर मृत्यु का कारण निश्चित नहीं है,फिर भी इसके अधिकांश कारणों में निश्चित एक धूम्रपान अवश्य है जो इंसान को धीरे-धीरे मौत के पास ले जा रहा है। हम जानबूझकर इस तम्बाकु के धीमे जहर को आत्मसात कर रहे हैं। सिगरेट पीने वाले तो इसके शिकार हैं ही, जो लोग इन पीने वालों के इर्द- गिर्द होते हैं, वो भी असमय मौत के नज़दीक आते जा रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के आंकड़ों से पता चलता है कि सिगरेट न पीने वाले लोग जो इसके शौकीनों के नज़दीक होते हैं इसका शिकार होते हैं। ऐसे मामलों में मृत्यु संख्या दुनिया भर में हर साल 6 लाख का आंकड़ा पार कर जाती है। सबसे बड़ा नुकसान तो धूम्रपान से मासूम बच्चों को होता है और इससे मरने वाले मासूमों की संख्या का आंकड़ा दुनिया भर में 1 लाख 65 हजार को छूता रहा है। इस धुंए का प्रभाव बच्चों की सेहत को बुरी तरह प्रभावित करता है। हमें ये शऊर पैदा करना चाहिए कि घरों में तम्बाकू सेवन या धूम्रपान का असर बच्चों पर न पड़ने दें, वैसे ये सभी को जान लेना चाहिए कि धूम्रपान हर उम्र के लिए मौत बनकर नुकसान पहुंचा रहा है फिर भी हम नहीं जाग पा रहे हैं। हमें इससे परहेज बरतना चाहिए। कई देशों में सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान को प्रतिबंधित किया गया है। धूम्रपान करने वालों के इर्द- गिर्द रहने वाले बच्चे जिनकी संख्या 40 प्रतिशत, 33 प्रतिशत पुरुष एवं 35 प्रतिशत महिलाएं हैं, जो धूम्रपान न करते हुए भी कहीं न कहीं इससे प्रभावित है। आशय यह कि धूम्रपान का धुंआ इन्हें बेवजह ही दिल की बीमारी का शिकार बना रहा है और इसकी संख्या का आंकड़ा दिनों दिन बढ़ता जा रहा है । तम्बाकू का यह धुंआ संपूर्ण वातावरण में जहर घोल रहा है, हमें इससे बचना ही होगा।

सोचें विचार करें, सजग रहें, सावधान रहें, जीवन अमुल्य है।

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह "सहज़"
हरदा मध्यप्रदेश

महागठबंधन समर्थित कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन में अभिनेत्री नेहा शर्मा ने किया रोड शो

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (ऋषि कान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखंड के शेरमारी बाजार में महागठबंधन समर्थित कांग्रेस प्रत्याशी अजीत शर्मा की अभिनेत्री बेटी नेहा शर्मा ने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत रोड शो किया। रोड शो शेरमारी बाजार के तिवारी कटरा से आरंभ होकर शेरमारी बाजार, सुंदरपुर आदी जगहों का भ्रमण किया।

इस दौरान उनके पिता व कांग्रेस प्रत्याशी अजीत शर्मा सहित महागठबंधन समर्थित सभी दलों के नेता एवं कार्यकर्ताओं की काफिला साथ -साथ चल रही थी।

अभिनेत्री ने अपने पिता व कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में चुनाव चिन्ह हाथ छाप पर मत देने के लिये उपस्थित लोगों से अपील किया।

मौके पर पूर्व विधायक रामविलास पासवान, कांग्रेस अध्यक्ष राजेश तिवारी, प्रभारी रंजन यादव, सुनील आजाद, जिला परिषद सदस्य कैलाश यादव, राजद मंडल अध्यक्ष मुरली यादव, रंजीत साह, जांनिसार असलम, सीताराम यादव, सुभाष कुशवाहा, सीपीआईएम नेता अवधेश पोद्दार, सीपीआई नेता अशोक यादव, देवकुमार यादव, ओम प्रकाश सिंह, पैक्स संघ अध्यक्ष प्रभात कुमार प्रफुल्ल सहित अन्य गणमान्य व भारी संख्या में स्थानीय लोग शामिल रहे।

शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से निकला मशाल जुलूस

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (ऋषि कान्त मिश्र) पीरपैंती-: लोकसभा चुनाव के पूर्व प्रखण्ड विकास पदाधिकारी अभिमन्यु कुमार के नेतृत्व में मध्य विद्यालय शेरमारी के छात्र-छात्राओं व स्वीप भागलपुर के संयुक्त तत्वावधान में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत मशाल जुलूस निकाली गई। यात्रा शेरमारी बाजार, सुंदरपुर के विभिन्न गली- मोहल्लों में भ्रमण करने के उपरांत बीआरसी में जाकर संपन्न हुई।

वही बीडीओ अभिमन्यु कुमार ने कहा कि विगत चुनाव में जिन-जिन मतदान केंद्रों पर मत प्रतिशत कम हुआ था, वैसे सभी मतदान केंद्रों पर शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मशाल जुलूस निकाला गया।

प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी बलदेव ठाकुर ने कहा कि शांतिपूर्ण मतदान संपन्न कराने एवं मतदाताओं को लोकतंत्र के इस महापर्व में सपरिवार शामिल होकर भयमुक्त वातावरण में मताधिकार का प्रयोग करने के लिये विद्यालय की छात्र-छात्राएं एवं प्रबुद्ध लोगों के द्वारा मशाल जुलूस के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया गया।

आठ साल की सृष्टि ने बनाए कई वर्ल्ड रिकॉर्ड, हजारों पेड़ लगाए, चलाती हैं रक्तदान अभियान

गुल्लक गर्ल के नाम से विख्यात सृष्टि को राष्ट्रपति ने भी दिया आशीर्वाद

हेमलता म्हस्के

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल 2024: नोबेल पुरुस्कार विजेता रविन्द्र नाथ ठाकुर ने कहा है कि बच्चे किसी से कम नहीं होते। उनकी क्षमता तो इतनी होती है कि उनसे बच्चे क्या बड़े भी सिख सकते है। यह बात हरियाणा फरीदाबाद की एक आठ साल की बच्ची सृष्टि गुलाटी के साथ पुरी तरह चरितार्थ होती है। सृष्टि ने कम उम्र में ही अपने परिवार के सहयोग ऐसी पहचान बनाई है जो सुखद भी है और बहुत से बच्चों के लिए प्रेरणादायक भी है।

किसी की पहचान उसके नाम से नही, काम से बनती है। ऐसी ही एक पहचान से आपको मिलाने जा रहे हैं जिसका नाम लेते ही ना जाने कितने रिकॉर्ड याद करने पड़ते हैं। रिकॉर्ड गर्ल, तिरंगा गर्ल, गुल्लक गर्ल ना जाने और कितने नामो से पहचानी जाती है। सृष्टि गुलाटी पुत्री प्रिया प्रवीन गुलाटी, जवाहर कॉलोनी फ़रीदाबाद हरियाणा निवासी एक प्रतिभाशाली और संस्कारी बेटी है। सृष्टि गुलाटी डीसी मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर 9 फ़रीदाबाद हरियाणा में दूसरी कक्षा की छात्रा है। सृष्टि के पिता प्रवीण गुलाटी बताते हैं कि राष्ट्रपति जी से मिलने का सौभाग्य हमको अपनी बेटी के द्वारा ही संभव हुआ है। हम अपनी बेटी सृष्टि और पूरे परिवार के साथ राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू जी से 30 अगस्त 2023 को राखी के शुभ अवसर पर राष्ट्रपति भवन नई दिल्ली में जाकर मिले। उनसे मिलना एक सपना सच होने जैसे लगा। राष्ट्रपति ने भी सृष्टि को उसके नेक काम के लिए आशीर्वाद और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

सृष्टि की अनोखी उपलब्धि आसाधारण है। सृष्टि के नाम देश की सबसे कम उम्र की आनरेरी कोजा डॉक्टरेट की मानद् उपाधि से सम्मान प्राप्त का भी राष्ट्रीय रिकॉर्ड है। यह सम्मान प्राप्त करने वाली सृष्टि भारत की सबसे कम उम्र की बालिका है। अपने विश्व रिकॉर्ड, सामाजिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक कार्यो के लिए प्रसिद्ध सृष्टि को मैजिक बुक ऑफ रिकॉर्ड मैजिक एंड आर्ट यूनिवर्सिटी द्वारा आनरेरी कोजा एमबीआर आनरेरी डॉ की मानद् उपाधि से सम्मानित किया गया है। सृष्टि अब डॉ सृष्टि गुलाटी के नाम से जानी जाएगी।

नन्ही सृष्टि गुलाटी के नाम विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं में जैसे नृत्य, चित्रकला, पेंटिंग, बेबी शो, फ़ैशन शो, बेबी ओलिम्पिक के अतिरिक्त सांस्कृतिक, सामाजिक ओर आध्यात्मिक कार्यो में भाग लेकर सबसे कम उम्र में सबसे ज्यादा प्रमाण पत्र प्राप्त करने का विश्व रिकॉर्ड है। सृष्टि के नाम 760 प्रमाण पत्र, 110 अवार्ड,100 ट्रॉफी ओर 30 मेडल है। यह रिकॉर्ड 2019 में बना था और अभी तक कायम है। नन्ही सृष्टि गुलाटी का सबसे कम 7 वर्ष की उम्र मे आनरेरी डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्राप्त करने का राष्ट्रीय रिकॉर्ड क्रेडेंस बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड मे भी दर्ज है। सृष्टि गुलाटी का नाम इंडिया बुक ऑफ़ रिकॉर्ड, क्रीडेंस बुक ऑफ़ रिकॉर्ड, स्टेट बुक ऑफ़ रिकॉर्ड, इंडिया प्राउड बुक ऑफ़ रिकॉर्ड, होप इंटरनेशनल वर्ल्ड रिकॉर्ड, फॉरेवर स्टार बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड आदि सभी मे दर्ज है।

सृष्टि को सेवा कार्यो को करने की प्रेरणा अपनी माता प्रिया गुलाटी से मिली। सृष्टि के पिता खुद एक समाजसेवी है। उनको देखकर भी सृष्टि के मन मे सेवा की भावना प्रबल हुई। सृष्टि ने सामाजिक क्षेत्र में अद्धभुत कार्य किए हैं। सृष्टि ने अपने 5 वे जन्म दिवस के अवसर पर 1000 मास्क वितरित कर प्रथम बार अपने पिता के सानिध्य में समाज सेवा का कार्य प्रारंभ किया।

सृष्टि गुलाटी द्वारा जरूरतमंद लोगो के लिए 1000 मास्क, जरूरतमंद महिलाओ के लिए 1800 सैनिटरी पैड, स्लम क्षेत्र के बच्चो शिक्षा की अलख जगाने के लिए 2000 लेखन सामग्री, 2 महीने से 2 साल के छोटे बच्चों के लिए 2500 बेबी डाइपर, बच्चो में बचत की भावना जागृत करने और मिट्टी से सामान के प्रयोग हेतू 200 मिट्टी की गुल्लक, मिट्टी से बने 250 पक्षियों के सकोरे, स्लम क्षेत्र के छोटे-बड़े बच्चो को 200 जोड़े जुराबें, अपने विद्यालय में 1100 तुलसी जी के पौधे, नन्हे नवजात बच्चों को 100 बेबी किट आदि वितरित किए है। भरी गर्मी में लोगों को प्यास लगती है इसके ठंडे पानी के सहयोग हेतू 50 पानी के मटके भी वितरित किए। कई बार सर्दी के मौसम मे गर्म 100 कम्बलो और गर्म वस्त्रो का भी वितरण किया। अपने वीडियो संदेश के माध्यम से भी लोगो को रक्तदान करने, गीला सूखा कचरा अलग करनें, साफ-सफाई ओर पर्यावरण के लिए भी लोगो को जागरूक करती हैं। सृष्टि द्वारा पर्यावरण की सेवा में योगदान हेतु अभी तक 2000 पौधारोपण भी किए गए हैं।

सृष्टि गुलाटी की अभी तक एक विशिष्ट उपलब्धि है करंट अफेयर्स में सृष्टि का नाम आना। सृष्टि फरीदाबाद हरियाणा की पहली ऐसी बेटी है जिसका नाम लगातार 3 साल 2021, 2022, 2023 से हरियाणा की करंट अफेयर्स बुक में प्रकाशित हो रहा है। सृष्टि के नाम का प्रश्न भिवानी से प्रकाशित एकलव्य क्लासेज की पुस्तक में प्रकाशित हुआ है। यह पुस्तक पूरे हरियाणा में प्रकाशित की जाती है।

सम्मान प्राप्त

सृष्टि अभी तक हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, पुलिस कमिश्नर विकास अरोड़ा, डिप्टी कमिश्नर यशपाल यादव, जीतेंद्र यादव, राज्य मंत्री अनूप धनक, पलवल विधायक दीपक मंगला, एसडीएम कुमारी अपराजिता के अतिरिक्त विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा भी सम्मानित की गई है

ब्रांड एंबेसडर

सृष्टि कई संस्थाओं की ब्रांड एंबेसडर है जिनमे मुख्य रूप से कल्कि फाउंडेशन ट्रस्ट नोएडा उत्तर प्रदेश, हर घर तिरंगा फाउंडेशन सोनीपत हरियाणा, हिंदू वेलफेयर फाउंडेशन पानीपत हरियाणा, हम सेवक श्याम के फरीदाबाद हरियाणा, ज्ञान स्पर्शम लखनऊ उत्तर प्रदेश, नारी संस्था झाँसी उत्तर प्रदेश। इन सभी संस्थाओं की सृष्टि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ब्रांड एंबेसडर है।

विश्व पृथ्वी दिवस पर विचार गोष्ठी व पौधारोपण

डॉ.शंभू पंवार

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (चिड़ावा): भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सौजन्य तथा वन विभाग झुंझुनूं व जिला पर्यावरण सुधार समिति के तत्वावधान में विश्व पृथ्वी दिवस पर बीड़ के हिरण अभ्यारण क्षेत्र में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

गोष्ठी में अपने उद्बोधन में झुंझुनूं जिला पर्यावरण सुधार समिति के सचिव राजेश अग्रवाल ने आमजन से आह्वान किया की प्लास्टिक के उपयोग को पूर्णतः बंद करे। यधपी कानूनन रूप से प्लास्टिक के कैरी बैग्स आदि पर प्रतिबंध लगाया गया है। लेकिन इस प्रतिबंध को सख्ती से लागू करने की आवश्यकता है। आमजन को भी इसमें सहयोग करना चाहिए। अग्रवाल ने कहा कि पौधे लगाने को लेकर आमजन में काफी जागरूकता आई है। लेकिन हम ना केवल पौधे लगाए, बल्कि उनके पालन पोषण की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित करें। तभी हमारी पृथ्वी हरी—भरी रह सकेगी।

मुख्य अतिथि डीएफओ बीएल नेहरा ने कहा कि समस्त ब्रह्मांड में मात्र पृथ्वी एक ऐसा ग्रह है। जिस पर जीव की उत्पत्ति है और जीव विराजमान है। वर्तमान परिदृश्य में संपूर्ण संसार में प्लास्टिक पृथ्वी के लिए एक बहुत बड़ा खतरा है। इसलिए हमें सभी को मिलकर पृथ्वी को प्लास्टिक मुक्त करना है।

कार्यक्रम में सहायक उप वन संरक्षक संजय कुमार, कमलचंद, श्रवण झाझड़िया व क्षेत्रीय वन अधिकारी अमित सैनी आदि ने विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही श्री राणी सती बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय की प्रिंसिपल मधु शर्मा ने कहा कि भारत का भविष्य बच्चे हैं और बच्चों में यह प्राथमिक शिक्षा से ही पर्यावरण को बचाने का संदेश दिया जाना बहुत आवश्यक है। क्योंकि अगर ब्रह्मांड में जीव को विराजमान रखना है तो हमें पृथ्वी को सुरक्षित करनी पड़ेगी और इसके लिए सबसे महत्वपूर्ण है पौधारोपण करना।

इस अवसर पर अतिथियों और बच्चों द्वारा पौधारोपण किया गया। इससे पहले सभी विद्यार्थियों ने हिरण सफारी की और हिरण की अटखेलियां देखी। कार्यक्रम में चित्रकला, गायन और नारा लेखन प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय रही छात्राओं को प्रतीक चिह्न और प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया गया।

शक्ति सदन की केंद्र अधीक्षक भंवरी देवी ने बताया कि चित्रकला प्रतियोगिता में नमश्विनी जोशी, खुशी नायक व कनक हिसारिया, नारा लेखन में कोमल सैनी, भाविका टेलर, अर्पिता मारवाल तथा गीत- गायन प्रतियोगिता में अवनी पांडे, उजमा बानो व खुशी सैनी ने क्रमश: प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी को पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर पर्यावरण सुधार समिति की लेखाकार सोनम सैनी, कोषाध्यक्ष अभिषेक मुरारका आदि मौजूद थे।

BHOLA ELECTRICAL
G.T.ROAD NEAMATPUR, AASANSOL WEST BENGAL—713359
ALL KIND OF ELECTRICAL JOB : CONTACT : 9064588166
SALES, SERVICE & CCTV CAMRA INSTALLATION,
HOUSE WIRING, MOTER & FAN WINDING

माही क्रिकेट क्लब की बबली कुमारी के शानदार बल्लेबाजी के दम पर जिला अंडर 19 क्रिकेट टूर्नामेंट में 2024 का धनबाद ने पहली बार जमाया खिताब पर कब्जा

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (निरसा): क्रिकेट जगत में कुमारधुबी के माही क्रिकेट क्लब की पांच लड़कियों के प्रदर्शन की चर्चा पूरे क्षेत्र में है। इन लड़कियों ने झारखंड राज्य क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित अंतर जिला (अंडर-19) क्रिकेट टूर्नामेंट में धनबाद जिला को 2024 का पहला खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। धनबाद के चैंपियन होने के बाद कुमारधुबी लौटी इन पांचो लड़कियों का स्वागत माही क्रिकेट क्लब के अध्यक्ष तथा जेएससीए के आजीवन सदस्य अभिजीत घोष तथा सचिव श्रीमती दोयल घोष ने वाणी मंदिर क्लब में सम्मान समारोह आयोजित किया। क्लब के सदस्यों ने इनके सफलता पर हर्षित होकर केक काटा एवं शुभकामनाएं दी।

क्या है उपलब्धि?

माही क्रिकेट क्लब कुमारधुबी की पांच लड़कियां बबली कुमारी, अंकिता कुमारी मौर्या, अनु कुमारी यादव, अर्पिता लायक तथा लक्ष्मी पूर्ति, धनबाद जिला अंडर-19 टीम में चुनी गई। पहली बार अंतर जिला (अंडर-19) क्रिकेट टीम में खेलते हुए बबली को फाइनल मैच में प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया उसने 84 रन बनाए थे। जबकि पहले मैच में अंकिता मौर्य प्लेयर ऑफ द मैच चुनी गई थी। फाइनल मैच में अर्पिता लायक ने भी 51 रन बनाए थे। अनु और लक्ष्मी ने भी जिला टीम के लिए बेहतर प्रदर्शन किया। उनकी उपलब्धि से खुश माही क्रिकेट क्लब की सचिव श्रीमती दोयल घोष ने पांचो खिलाड़ियों को पुरस्कृत करने की घोषणा की। उन्होंने कहा की बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और बेटी खेलाओ की योजना साकार होती दिख रही है। उन्होंने अभिभावकों और दोनों कोच भागीरथ रजवार और कुंदन कुमार राज को भी धन्यवाद दिया जिनके बदौलत यह लड़कियां खेल जगत में आगे बढ़ी है। मौके पर बापी बनर्जी,धनबाद जिला के पूर्व क्रिकेटर संजय यादव, कोच कुंदन कुमार राज, भागीरथ रजवार,प्रभाकर कुमार, प्रभात कुमार, चंद्रशेखर, नीरज, आदि मौजूद थे।

जयगुरुदेव बाबा उमाकान्त जी ने बताया सुख शांति का पहला पाठ

दुःख तकलीफ रहेगी तो भगवान भी अच्छे नहीं लगेंगे

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (पटना/ बिहार): इस समय के पूरे समरथ सन्त सतगुरु, उज्जैन वाले बाबा उमाकान्त जी महाराज ने अधिकृत यूट्यूब चैनल जयगुरुदेवयूकेएम पर लाइव प्रसारित संदेश में बताया कि इस समय पर बीमारियां घर-घर में दिखाई पड़ रही है। घर-घर में लड़ाई-झगड़ा, ईर्ष्या-द्वेष, रुपया-पैसा कमाते हैं बरकत नहीं होती है। अगर कोई चैलेंज कर दो तो यहीं (सतसंग में आई भारी भीड़ में से) बता भी सकता हूं, 10-20-50 को बता दूंगा कि उनके घर में रोज झगड़ा होता है, कोई न कोई बीमार ही रहता है, आए दिन घर में समस्याएं बनी रहती है। आपको सुख शांति का पहला पाठ यही बता दें कि जिनके-जिनके यहां भी तकलीफें हो, आप लोग जयगुरुदेव नाम की ध्वनी बोलना शुरू कर दो। पूरे परिवार को इकट्ठा करके बुलवाना शुरू कर दो, जो कर्मों की सजा भोग रहे हो, ये तकलीफें धीरे-धीरे दूर होती चली जाएगी। और अगर शाकाहारी नशा मुक्त होकर के पूरा परिवार आप बोलोगे, बैठ करके करोगे तो जल्दी-जल्दी कर्म कट जाएंगे और ज्यादा फायदा दिख जाएगा।

ठंडी रोटी किसे कहते हैं

बहुत से लोग धन के पीछे ब्याह कर देते हैं, लड़के के स्वभाव, उसके बारे में अध्ययन नहीं करते हैं जबकि करना चाहिए। शादी हो गई। एक दिन मां कहीं जा रही थी, पुत्रवधू से कहा देख यह बड़ा मनुहार कराता है। कई बार कहना पड़ता है तब यह खाने जाता है। यह बड़ा नखरा करता है। तो तू इसको प्यार से समझा करके ले आना और जैसा मैं बनाकर खिलाती हूं, उसी तरह से खिला देना। तो पुत्रवधू ने वैसा ही किया, बनाई गरम-गरम रोटी, दो-तीन बार गई, वह नखरा करता हुआ आया, बैठा, थाली परोसा तब पुत्रवधू ने भी यही कहा- खा लो, ठंडी रोटी खा लो। तब बेटा बिगड़ा, कहा, मां भी गरम रोटी देती लेकिन कहती थी कि ठंडी रोटी खा ले। अब तू भी वही कहती है। मैं नहीं खाऊंगा। उठकर चला गया। बहुत हाथ-पैर जोड़ा, मनुहार किया, नहीं आया खाने। मां जब लौटकर आई, हाल-चाल पूछा, बोली वो नहीं खाए। बताया भी नहीं की क्यों नहीं खा रहे। तब मां बेटे से पूछी, क्यों नहीं खाया? बेटा बोला- जो तुम कहती हो, वह भी यही कहती है। तुम तो हमारी मां हो, वह हमारी औरत है। मां ने कहा, देख, मैं गरम खिला कर ठन्डे के लिए क्यों कहती हूं, सुन, तू बाप की कमाई खा रहा है तो वह है ठंडी रोटी। और तू खुद मेहनत करके पसीना बहा करके बदन में गर्मी पैदा करके लाता तो उसकी बनी रोटी के लिए कहती गरम रोटी खा लो बेटा। हृदय से अंदर से मैं बोलती कि यह लो खा लो। अभी तो मैं कर्तव्य का पालन कर रही हूं, तुमको मैं खिला रही हूं कि तुम मेरे बेटा हो। और कितने भी बड़े उमर दराज हो लेकिन मेरे लिए तो छोटे ही रहोगे, वही बबलू, पप्पू ही रहोगे। तब उसको अकल आई। फिर वह मेहनत करने लगा। तो ठंडी रोटी खाने का ही लोग लक्ष्य बना लेते हैं तो उनके हाथ में क्या आता है यही कौड़ी-छदान (यानी जीवन व्यर्थ जाता है)।

दुःख तकलीफ रहेगी तो भगवान भी अच्छे नहीं लगेंगे

तकलीफ दुःख जब तक रहेगा तब तक तो भगवान को भी लाकर खड़ा कर दिया जाए तो भगवान भी आपको अच्छे नहीं लगेंगे। कोई बीमार है और कहो देखो यह भगवान आए हैं, यह खड़े हैं, यह फोटो मूर्ति देखो, भगवान को याद करो। तब देखेगा, ऐसे आंख बंद कर लेगा। कहो राम-राम बोलो, भगवान का नाम लो तब आंख बंद करके बोलेगा राम-राम फिर आँख बंद कर देगा क्योंकि दुखी है, क्योंकि दुःख में सुमिरन नहीं हो पता है, दुःख में याद नहीं हो पता है। तो दुख दूर होना सबसे पहले जरूरी होता है। यह जयगुरुदेव नाम दुःखहर्ता नाम है। इसलिए जयगुरुदेव नाम बराबर बोलते रहना और याद रखना सब लोग। और जयगुरुदेव नामध्वनी बोलोगे तो उसका तो अलग ही फायदा दिखेगा। ऐसे ही चलते-फिरते, उठते-बैठते जयगुरुदेव नाम को आप सब लोग बोलते रहना।

हनुमान जन्मोत्सव विशेष- रामदूत की महिमा

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल 2024: रुद्रावतार रामदूत भक्त रूपी भगवान की महिमा भला किसे ज्ञात नहीं है। कलयुग में हनुमानजी प्रत्यक्ष विराजमान देव है। साधक की मनोवाँछित इच्छा की पूर्ति करने में हनुमानजी सक्षम है। अपनी भक्ति की उत्कृष्टता के कारण ही वे श्रीराम के प्रिय हो गए। अंजनीसुत गुण, ज्ञान, बुद्धि के स्वामी है। राम नाम श्रवण प्रिय हनुमानजी सदैव श्रीराम की भक्ति में लीन रहते है। श्रीराम के विजयपथ को हनुमानजी ने शीघ्रता प्रदान की। रुद्रावतार महादेव के समान ही श्रीराम की आराधना को जीवन का ध्येय मानते है।

हनुमान प्राकट्य दिवस के दिन बजरंगबली की उपासना एवं आराधना का विशेष महत्त्व है। हम सभी को हनुमान चालीसा की श्रेष्ठता एवं प्रभावशीलता का ज्ञान है कि किस तरह हनुमान चालीसा व्यक्ति के जीवन में अनूठे परिवर्तन ला सकती है। अतः प्रयास करें की समय अनुरूप हनुमान चालीसा का वाचन एवं श्रवण अवश्य करें। हनुमानजी की अन्य आराधना भी अत्यंत प्रभावी मानी गई है। साधक अपनी मनोकामना के अनुरूप हनुमानजी की कोई भी साधना कर सकता है, क्योंकि रामदूत की आराधना से साधक में अदम्य साहस, उत्साह, उमंग एवं ऊर्जा का संचार होता है। ध्यान की उत्कृष्टता से हनुमानजी भलीं-भाँति परिचित है, इसलिए वे सदैव नश्वर संसार से विरक्ति कर जीवन को रामभक्ति के लिए समर्पित करते है।

हनुमानजी अति सूक्ष्म एवं विशाल रूप दोनों ही धारण कर सकते है। रामायण में परिस्थिति के अनुसार उन्होंने अपना रूप परिवर्तित किया और प्रभु श्रीराम के कार्यों की सम्पन्नता की। हनुमानजी का आविर्भाव त्रेतायुग में हुआ था। बालरूप में ही हनुमानजी ने चमत्कार दिखाना शुरू कर दिया था। यदि साधक अगाध श्रृद्धा और विश्वास से रामदूत की निरंतर आराधना करता रहें तो उसे अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव दृष्टिगोचर होगें। हमारे धर्मग्रंथों में हनुमानजी को कलयुग का देवता कहा गया है। हनुमानजी को अजरता एवं अमरता का वरदान प्राप्त है। माता जानकी ने तो उन्हें अष्ट सिद्धि और नौ निधि के दाता होने का वरदान प्रदान किया था। तुलसीदासजी ने भी हनुमंत कृपा से ही प्रभु श्रीराम के दर्शन किए थे। हनुमानजी की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह भी है कि वे सदैव राम कथा श्रवण को आतुर रहते है। इसलिए ऐसा कहा जाता है कि जहाँ राम कथा होती है वहाँ हनुमानजी सदैव विराजमान होते है। रुद्रावतार का महत्वपूर्ण निवास रामभक्तों के हृदय में भी मिलता है। हनुमानजी ने अपने जीवन में कभी यश, उच्च पद, लालच, धन, वैभव इत्यादि किसी को भी जीवन में महत्त्व नहीं दिया, बस वे पूर्ण निष्ठा-भक्ति से राम के प्रति समर्पित होकर भक्त रूपी भगवान बन गए।

हनुमानजी को संकट मोचक भी कहा गया है, अर्थात वे भक्तों के संकट को क्षण में समाप्त कर देते है। हनुमानजी के लिए कोई भी कार्य करना असंभव नहीं है। राम नाम की महिमा तो सर्वविदित है, पर रामदूत हनुमान की महिमा भी अपरम्पार है, तो क्यों न हनुमानजी के दिन मंगलवार को राम नाम को हृदय में विराजमान कर हनुमान जन्मोत्सव पर हनुमानजी की भक्ति एवं आशीर्वाद प्राप्त करते है।

डॉ. रीना रवि मालपानी
(कवयित्री एवं लेखिका)

एनडीए नेताओं ने की खवासपुर में जनसभा को संबोधित

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (ऋषि कान्त मिश्र) पीरपैंती-: बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी, लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान एवं जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा सहित अन्य एनडीए नेताओं ने पीरपैंती प्रखंड के राम सुंदर उच्च विद्यालय खवासपुर स्थित खेल मैदान में जनसभा को संबोधित किया एवं एनडीए प्रत्याशी अजय मंडल को उनके चुनाव चिन्ह तिर छाप पर जिताने की अपील किया।

लोकसभा चुनाव से पूर्व पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (ऋषि कान्त मिश्र) पीरपैंती-: आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कहलगांव -2, डॉ अर्जुन कुमार गुप्ता के नेतृत्व में पीरपैंती थाना क्षेत्र में अर्द्धसैनिक बल एवं जिला पुलिस बल के साथ एरिया डोमिनेशन, फ्लैग मार्च किया गया। इस दौरान पीरपैंती थाना अध्यक्ष नीरज कुमार, एसआई नंदिनी कुमारी, बबलू कुमार, संजय महाराज पुरुषोत्तम कुमार झा सहित अन्य पुलिस कर्मी शामिल थे।

आईईईई- वाईईएसआईएसटी 12- 2024 में नालंदा अभियंत्रण महाविद्यालय के छात्रों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (पटना): बी.बी. इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कोलकाता के द्वारा आयोजित आईईईई-वाईईएसआईएसटी 12- 2024 में एनसीई, चण्डी के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इस इनोवेशन चैलेंज प्रतियोगिता में पूरे भारत से इच्छुक छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया था। उक्त प्रतियोगिता में विषय वस्तु के परिप्रेक्ष्य में प्रतिभागियों को सामाजिक समस्या के समाधान हेतु प्रेजेंटेशन के माध्यम से सुझाव देना था एवं अपना आइडिया प्रस्तुत करना था। इस संस्थान से डॉ कुमारी ममता (एसोसिएट प्रोफेसर, फिजिक्स) के मेंटरशिप में छात्र-छात्राओं के दो समूह, टीम क्रेस्ट एवं एशरो सोसियोएटिव्स ने हिस्सा लिया था।

इस प्रतियोगिता में संस्थान के एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग के प्रथम वर्ष से रोहित कुमार, अंशिका गुप्ता एवं द्वितीय वर्ष से पंखुरी कुमारी, शुभम कुमार, अंकुश कुमार एवं शिवम् राज ने हिस्सा लिया।

टीम क्रेस्ट ने अपने कंटेंट एवं प्रजेंटेशन से सभी को प्रभावित किया और तृतीय स्थान हासिल किया।

विजेताओं को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस उपलब्धि पर मेंटर डॉ कुमारी ममता ने प्रतिभागियों के मेहनत को सराहा और कहा कि सभी बहुत ही परिश्रमी एवं प्रतिभाशाली हैं।

इस उपलब्धि पर संस्थान के प्राचार्य डॉ भगवान श्रीराम एवं डीन ऐकेडमिक डॉ आशीष कुमार ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को बधाई दिया एवं भविष्य में और भी बेहतर करने के लिए प्रोत्साहित किया।

उठ जाग मुसाफिर भोर भई

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल 2024: सुबह होती है तो हम आम बोलचाल की भाषा में बोलते है उठो-जागो। जैसे सूर्य उदय होता है ठंडी हवाओं की बहार चलती है, पक्षियों की चह-चहाट सुनायी देती है और प्रात: भ्रमण करने से शरीर की थोड़ी कसरत भी हो जाती है। शास्त्रों में कहा गया है कि प्रात: के समय हम जिस वातावरण में व्यतीत करते हैं वो ही वातावरण हम्हें दिन भर महसूस होता है। ताजी आक्सीजन शरीर के अंदर जाती है, चेहरे पर एक नयी ही ऊर्जा आती है और आलस हमेशा के लिये भाग जाता है। स्मरण रहे जब सुबह सेर पर जायें तो खूब ठहाका लगायें, नित्य सेर करने वालों से मेल-मिलाप बढ़ायें जिससे आपको नये-नये अनुभव भी सीखने को मिलेंगे और आपकी दोस्ती का दायरा भी बढ़ेगा। बीमारी जल्दी से आपके पास नहीं फटकेगी। प्रातः जल्दी उठना चुस्ती फुर्ती और नई ताजगी बढ़ाता है, बीमारियों से लड़ने की शक्ति जगाता है, दिन भर काम करने का जोश दिलाता है, आलस्य को दूर भगाता हैं, प्रकृति से रुबरू करवाता हैं यह सब अनुपम दृश्य देख दिल प्रसन्न हो जाता हैं। विभिन्न दैनिक क्रियाओं से मुक्त नव स्फूर्ति लेकर तन का पुर्जा-पुर्जा जागता हैं। दिमाग भी शांत व रचनात्मक रहता है। इसीलिए कहा जाता है सुबह की हो सुनहरी बेला उसमें बैठकर अकेला शांतचित्त से आत्म चिंतन की साधना, भगवत स्तुति की आराधना और साथ में यह कहना भी सही हैं कि उठ जाग मुसाफिर भोर भई, अब रैन कहाँ जो सोवत है। जो सोवत है सो खोवत है, जो जागत है सो पावत है।

प्रदीप छाजेड़
बोरावड़

भारतीय जनसंख्या में बेतहाशा वृद्धि बनाम जीवनयापी संसाधनों की स्थिति

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या निधि, वार्षिक विश्व जनसंख्या स्थिति रिपोर्ट 2024 जारी

भारतीय जनसंख्या में बेतहाशा बढ़ती दर के अनुपात में जीवनयापी संसाधनों की स्थिति को रेखांकित करना समय की मांग-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल (गोंदिया): वैश्विक स्तरपर भारत की जनसंख्या चीन को पछाड़ते हुए 142 करोड़ के ऊपर जाकर विश्व की नंबर वन जनसंख्या वाला देश भारत बन गया है यह हमें पिछली बार 2023,में आई संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में पता चल गया था परंतु दिनांक 17 अप्रैल 2024 को जारी संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या निधि वार्षिक विश्व जनसंख्या स्थिति रिपोर्ट ने मुझे हैरान कर दिया है, क्योंकि इसमें बताया गया है कि भारत की जनसंख्या अभी 144.17 करोड़ हो चुकी है और आने वाले 77 वर्षों में यह इसकी दोगुना हो जाएगी, जिसमें अनेक रेश्यो भी दिए हैं कि किस क्षेत्र में जनसंख्या वृद्धि के कैसे प्रभाव पड़े हैं जैसे उम्र लेवल पर जनसंख्या, महिलाओं की जनसंख्या लेवल पर स्थित, मातृ मृत्यु में असमानता महिलाओं को स्वास्थ्य लाभ तथा प्रवस के दौरान रोज 800 महिलाओं की मृत्यु सहित 2006-2023 के बीच 23 प्रतिशत बाल विवाह सहित अनेको विश्लेषण दिए हैं। परंतु इस बेतहाशा बढ़ती जनसंख्या पर मेरा मानना है कि इसके कंपनसेशन में जीवनयापी संसाधनों की क्या स्थिति है, बढ़ती बेरोजगारीको मिटाने का क्या प्लान है, जीवो को रहने के संबंध में कैसा प्रबंध प्रपोज्ड है जैसे अनेक मुद्दों पर गहन चर्चा कर नीति आयोग द्वारा नीति निर्माण करना होगा, क्योंकि मानव निर्मित संसाधनों को हम उपलब्ध करा सकते हैं, परंतु जब संसाधन कुदरत रचित हैं जैसे हवा पानी धरती के रूप स्थान के लिए तथा अनाज सहित अनेक ऐसी खाद्य वस्तु है जो सृष्टि द्वारा रचित है या कुदरत की देन है, इनमें हम कैसे इजाफा करेंगे ताकि जनसंख्या वृद्धि का संतुलन समय पर हम कर सकें क्योंकि भारतीय जनसंख्या में बेतहाशा वृद्धि दर के अनुपात मेंजीवनयापी संसाधनों की स्थिति को रेखांकित करना समय की मांग है,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे भारतीय जनसंख्या में बेतहाशा वृद्धि बनाम जीवनयापी संसाधनों की स्थिति।

साथियों बात अगर हम भारत में जनसंख्या के बढ़ते आंकड़े की करें तो,भारत में आखिरी जनगणना 2011 में की गई थी, उस वक्त भारत चीन के बाद दूसरे नंबर पर सबसे ज्यादा आबादी वाला देश था और देश की जनसंख्या 121 करोड़ थी। भारत की ताजा जनसंख्या पर यूनाइटेड नेशन पॉपुलेशन फंड (यूएनएफपीए) ने रिपोर्ट जारी की है,जिसके मुताबिक भारत दुनियां का सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला देश बन गया है। भारत की पॉपुलेशन 144 करोड़ से अधिक हो गई है, इसमें 24 फीसदी आबादी 0 से 14 साल से कम उम्र की है। इस रिपोर्ट में ये भी अनुमान लगाया गया है कि भारत की आबादी आने वाले 77 सालों में दोगुनी हो जाएगी। रिपोर्ट में जनसंख्या के साथ-साथ नवजात बच्चों की मौत, महिलाओं और एलजीबीटीक्यू की स्थिति आदी के बारे में भी डेटा दिया गया है।रिपोर्ट में ये भी बताया गया है कि भारत में मातृ मृत्यु में काफी भारी गिरावट आई है।

साथियों बात अगर हम जनसंख्या के बायफरकेशन की करें तो, रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की 144.17 करोड़ आबादी में 24 फीसदी आबादी 0-14 साल की है, जबकि 17 फीसदी आबादी 10-19 साल के अंदर है। इतना ही नहीं, 10-24 साल वाले भी भारत में 26 फीसदी हैं, जबकि 15-64 आयु वर्ग के सबसे ज्यादा 68 फीसदी हैं। इसके अलावा भारत की 7 फीसदी जनसंख्या 65 साल और उससे ज्यादा उम्र की है, जिसमें पुरुषों की जीवन प्रत्याशा 71 साल और महिलाओं की 74 साल है।मातृ मृत्यु पर भारत की सराहना रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में मातृ मृत्यु दर में काफी गिरावट आई है, जोकि दुनिया भर में ऐसी सभी मौतें का 8 फीसदी है।भारत में इस सफलता का क्रेडिट सरकार के सस्ती और अच्छी स्वास्थ सेवाओं को जनता तक पहुंचाना और लैंगिक भेदभाव को कम करने के प्रायासों को दिया है। पीएलओएस की ग्लोबल पब्लिक हेल्थ रिपोर्ट का हवाला देते हुए यूएनएफपीए ने कहा कि सर्वे में पता चला है कि भारत के 640 जिलों में एक तिहाई जिलों ने मातृ मृत्यु कम करने के लिए सतत विकास लक्ष्य हासिल कर लिया है।बता दें भारत सरकार द्वारा नवजात की मृत्यु दर को कम करने और शिशुओं और माओं को पौष्टिक आहार मुहैया कराने के लिए कई स्कीम चलाई जा रही हैं. इसके अलावा अच्छे और सस्ते स्वास्थीय ने भी जनसंख्या बढ़ोत्तरी में अहम किरदार निभाया है। देश में महज 7 फीसदी आबादी 65 वर्ष या इससे अधिक उम्र की है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या निधि (यूएनपीएफ) की तरफ से वार्षिक विश्व जनसंख्या स्थिति रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में सरकारी स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर हुई हैं, जिसकी वजह से मातृ मृत्यु दर में कमी आई है और जीवन प्रत्याशा बढ़ी है। देश की आबादी में महज 7 फीसदी 65 साल या इससे अधिक उम्र के लोग हैं। देश में पुरुषों की जीवन प्रत्याशा (लाइफ एक्सपेंटेसी) बढ़कर 71 वर्ष और महिलाओं की 74 वर्ष हो गई है। 77 वर्ष बाद 2101 तक भारत की आबादी बढ़कर दोगुनी हो जाएगी। रिपोर्ट में भारत में जनसंख्या बढ़ने के पीछे सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार व जीवन प्रत्याशा में वृद्धि है। रिपोर्ट में गर्भवती व प्रसूताओं को पौष्टिक आहार मुहैया कराने को लेकर चलाई जा रहीं योजनाओं की भी प्रशंसा की गई है। यह भी बताया गया है कि 2006-2023 तक भारत में बाल विवाह की दर 23 फीसदी रही, जोअत्यंत चिंताजनक है।

साथियों बात अगर हम जनसंख्या के उपलब्ध आंकड़ों में महिलाओं का विश्लेषण करें तो,रिपोर्ट के मुताबिक देश के 640 जिलों में सतत विकास लक्ष्यों के मुताबिक मातृ मृत्यु दर का अनुपात एक लाख़ पर 70 या इससे कम है लेकिन 114 जिले ऐसे हैं, जहां यह अनुपात 1 लाख पर 210 या इससे ज्यादा है। अरुणाचल प्रदेश के तिराप जिले में यह सबसे ज्यादा एक लाख पर 1,671 है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में लैंगिक भेदभाव कम हुआ है। हालांकि, दिव्यांग महिलाओं को सामान्य महिलाओं की तुलना में 10 गुना ज्यादा लैंगिक भेदभाव और हिंसा का शिकार होना पड़ता है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि देश के धनी परिवारों की महिलाओं को स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार का ज्यादा लाभ मिला। इसके अलावा विकलांग महिलाएं, लड़कियां, प्रवासी, शरणार्थी, जातीय अल्पसंख्यकों, एलजीबीटीक्यू प्लस, एचआईवी पीड़ित व वंचित जातियों को यौन और प्रजनन स्वास्थ्य जोखिमों का अधिक सामना करना पड़ता है। कमजोर तबकों की स्थिति को जलवायु परिवर्तन, बड़े पैमाने पर प्रवासन जैसी परिस्थितियों ने और खराब किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि लाखों महिलाएं और लड़कियों को अब भी कई मायनों में आगे बढ़ाए जाने की जरूरत है। मसलन,एक चौथाई महिलाएं अपने साथी के साथ यौन संबंध बनाने से इन्कार नहीं कर सकती हैं। 10 में से एक महिला गर्भनिरोधक के बारे में कोई फैसला लेने की स्थिति में नहीं है।यूएनएफपीए की इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत में सेक्सुअल और रिप्रोडक्टिव हैल्थ 30 सालों के सबसे बेहतर स्तर पर है। यही कारण है कि डिलीवरी के दौरान होने वाली मौतों की संख्या में भी गिरावट आई है। दुनिया में हो रही ऐसी मौतों में भारत का हिस्सा आठ फीसदी है। रिपोर्ट में वैश्विक रूप से महिलाओं की यौन स्थिति पर चिंता जाहिर करते हुए कहा गया है कि लाखों महिलाएं और लड़कियां अभी प्रमुख स्वास्थ्य उपायों से वंचित हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि डाटा वाले 40 फीसदी देशों में महिलाएंशारीरिक संबंधों का फैसले लेने में पुरुषों से पीछे हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारतीय जनसंख्या में बेतहाशा वृद्धि बनाम जीवनयापी संसाधनों की स्थितिसंयुक्त राष्ट्र जनसंख्या निधि, वार्षिक विश्व जनसंख्या स्थिति रिपोर्ट 2024 जारी। भारतीय जनसंख्या में बेतहाशा बढ़ती दर के अनुपात में जीवनयापी संसाधनों की स्थिति को रेखांकित करना समय की मांग है।

-संकलनकर्ता लेखक-
कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट
किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

सजा तुमको तो मिलेगी

सजा तुमको तो मिलेगी, जख्मी मेरे दिल को किया क्यों।
बेवफा तुमको होना था तो, गुमराह हमको किया क्यों।।
सजा तुमको तो मिलेगी----।।

दर्द देकर मेरे दिल को, चैन से रह रही हो तुम।
मुझको करके बेघर, महलों में सो रही हो तुम।।
तोड़ना ही था जब मुझको तो, मजा अब तक किया क्यों।
सजा तुमको तो मिलेगी----।।

तुम क्यों भूल रही हो, नजरें हमसे ऐसे चुराकर।
मेरी बाँहों में रही हो तुम, दिल यह हमसे लगाकर।।
खता तुम्हारी ही ज्यादा है, मंजूर तुमने नहीं किया क्यों।
सजा तुमको तो मिलेगी---।।

खाक मेरे ख्वाबों को करके, बैठी हो अब किसी के सँग।
हाँथों में मेहंदी लगाकर तुम, चली हो अब किसी के सँग।।
करना था बर्बाद मुझे तो, तुमने मजाक यह किया क्यों।
सजा तुमको तो मिलेगी-----।।

गुरुदीन वर्मा उर्फ़ जी.आज़ाद
बारां (राजस्थान)
कोलफील्ड मिरर

शाम तो ढल जाने दें

न रोक ए हम नवा
एसे अब तु मेरे आंसु ,
आंखों से मेरी ये समन्दर
तो अब बह जाने दें ,
जुल्फों की घनी छाओं
की चाहत है दो घड़ी ,
कुछ पल ही सही दिल
की गहराई में उतर जाने दें ,
आंखों से तेरी , थोड़ी मैं
पीलूं तो बुरा क्या है ,
मैं हूं मदहोश थोड़ा सा
मुझको भी बहक जाने दें ,
मै खुद ही चला जाऊँगा ,
हूं मुसाफिर तन्हा - तन्हा ,
अभी सूरज भी नहीं डूबा
जरा शाम तो ढल जाने दें,
आतिशे ईश्क है ऐसे न
बुझेगी अब मुश्ताक,
अपने होठों को मेरे होठों
के करीब तो आ जाने दें ,

डॉ . मुश्ताक़ अहमद शाह
सहज़ हरदा मध्य प्रदेश
कोलफील्ड मिरर

संवैधानिक नियंत्रण

अच्छा पहले ही बताना था कि
मूर्खों को भी जगाना है,
वो जिनके पास पहले से बहाना है,
सारे सोये हुये हैं,
अपनी जातिय मुग्धता पर खोये हुये हैं,
सबसे गंदा चरित्र वाले
सोचे कि हम सबसे गंदा सोये हुए हैं,
नजर नहीं आता कमजोरी खुद की,
जिन्हें नहीं चिंता अपने वजूद की,
कमजोरों की गाथा बलवान जब लिखेंगे,
अत्याचारी मृदुल और सेवक ही दिखेंगे,
मंत्रमुग्ध शोषित उसे देव ही बोलेगा,
नियति मान सहते रहेंगे जुल्मो सितम
अपने जुबां से आह तक नहीं बोल
सितम तो सितम है स्वमेव ही बोलेगा,
न्यायिक चरित्र न हो जिसके अंदर,
बतायेगा खुद को इंसाफ का समंदर,
अपने भीतर के दाग वो कैसे दिखाए,
खुद के अंदर के डर को जोश वो बताए,
समतामूलक संविधान नजर न जिनको आये,
सड़ी हुई व्यवस्था को अच्छा वो बताये,
नजर और नीयत दोनों में रखता हो खोट,
जागरूकता बढ़ाकर मारो उनको चोट,
छीनो उनकी सत्ता रखो नियंत्रण अपने हाथ,
संवैधानिक व्यवस्था देकर पा लो सबका साथ।

राजेन्द्र लाहिरी
पामगढ़ छग
कोलफील्ड मिरर

न किसी से कोई ईर्ष्या न कोई जलन

परिंदों से सीखो कैसे नापना गगन
रहते हैं हर परिस्थिति में मगन
अपने में ही हमेशा रहते हैं मस्त
न किसी से कोई ईर्ष्या न कोई जलन

न ज़्यादा खाते हैं न कम हैं खाते
न ही भविष्य के लिए कुछ हैं बचाते
खुली किताब है इनकी ज़िन्दगी
किसी से कुछ नहीं हैं छुपाते

अच्छा लगता है उनको अपना घोंसला
चाहत नहीं कोई बड़ा घर बनाने की
तिनका तिनका जोड़ कर बनाते हैं ठिकाना
नहीं समझते कोई जरूरत उसे सजाने की

थोड़ा बड़ा जब होता है
चल देता है घर छोड़कर
चला जाता है दूर कहीं
अपना नया घर बसाने
जिंदगी में ऐसे ही आना जाना लगा रहेगा
लग जाएंगे ऐसे ही सब इंतज़ार करते करते ठिकाने

रवींद्र कुमार शर्मा
बिलासपुर हि प्र
कोलफील्ड मिरर

रूद्रावतार हनुमान: जिनके बिना रामकाज भी अधूरा

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल 2024: रूद्र के ग्यारहवें अवतार पवन पुत्र हनुमान का जन्म पंचागानुसार चैत्र पूर्णिमा के दिन मंगलवार चित्र नक्षत्र व मेष लग्न के योग में हुआ था। ज्योतिषाचार्यों के गणना अनुसार हनुमान जी का जन्म अंठ्ठावन हजार एक सौ तेरह वर्ष पूर्व त्रेता युग में हुआ था। हनुमान जी ने वानर राज केसरी के यहां एवं माता अंजनी के गर्भ से जन्म लिया था। मित्रों अधिकांशतः लोगों को यह जानकारी नहीं होगी कि हनुमान जी के अलावा उनके पांच सगे भाई और भी थे।

अर्थात माता अंजनी और वानरराज केसरी के छह पुत्र थे। सभी छह पुत्रों में हनुमान जी सबसे बड़े हैं। इन सभी भाईयों के नाम इस प्रकार हैं—मतिमान, श्रुतिमान, केतुमान, गतिमान और धृतिमान। वैसे महाभारत काल में हस्तिनापुर नरेश महाराज पाण्डु पुत्र भीम को भी हनुमान जी का ही भ्राता माना जाता है।

इस पृथ्वी पर हिंदू मतानुसार केवल आठ व्यक्तियों को ही अमर माना गया है। इनमें से एक हनुमान जी भी है। इनके अलावा अस्वस्थामा, परशुराम, महाराजविभीषण, राजा महाबलि, वेद व्यास ऋषि, कृपाचार्य , एवं मार्कंडेय ऋषि -,ये सभी इस धरा में कहीं ना कहीं विराजमान हैं। ऐसा माना जाता है कि जहां-जहां भी राम का नाम लिया जाता है रामायण, भागवत कथा कीर्तन कहे जाते हैं, वहां वहां हनुमानजी अन्यान्य रूपों में साक्षात विराजमान रहते हैं। हनुमान जी का आज भी गंधमादन पर्वत में निवास माना जाता है। इसी संदर्भ में एक बात कहनी थी पाठकों, प्रायः लोग हनुमान जन्मोत्सव को हनुमान जयंती भी कहते हैं जो कि अनुचित एवं गलत है। जयंती उनके लिए कहा जा सकता है जो इस लोक से इहलीला समाप्त कर परलोक में विराजते हैं । हनुमान जी के जन्मदिवस को जयंती कह दिया जाता है। चूंकि हनुमान जी तो अमर हैं, वे यही इस पृथ्वी पर विराजमान हैं, इसलिए उनके जन्मदिवस को जन्मोत्सव ही कहा जाएगा और यही उचित है।

"रामचरितमानस" के रचयिता तुलसीदास जी के काल की घटना का वर्णन है कि, एक बार प्रसिद्ध तीर्थ स्थल चित्रकूट से उत्तर दिशा की ओर लगभग पैंतीस किलोमीटर की दूरी पर नांदी गांव के पास गोस्वामी तुलसीदास जी अपनी जन्मभूमि से रोजाना हनुमान जी की पूजा करने जाते थे। जबकि वह स्थान उनके निवास से करीब आठ किलोमीटर की दूरी पर पड़ता है। किंतु फिर भी तुलसीदास जी रोजाना वहां पैदल आकर अपनी आराधना संपूर्ण करते थे। एक रात्रि को हनुमान जी ने तुलसीदास को स्वप्न में दर्शन देकर कहा कि अपने निवास के पास मेरी स्थापना करके मेरी आराधना करो मैं तो मैं वहीं पर दर्शन दूंगा। वहां जाने की आवश्यकता नहीं है। तब तुलसीदास जी ने ठीक वैसा ही किया। उन्होंने स्वप्न के अनुसार गांव के बाहर एक स्थान को पवित्र करके मालवा गिरि चंदन को घिस करके उससे हनुमान जी की मूर्ति उत्कीर्ण की और उनकी आराधना करने लगे। तब हनुमान जी ने वहीं पर उन्हें दर्शन देकर तुलसीदास जी के मनोरथ को सफल किया था।

इस स्थान में एक और अद्भुत चमत्कार सुना जाता है। यहीं पर हनुमान जी की मूर्ति दक्षिणा मुख विराजमान है, वैसा कम ही देखने को मिलता है और इस मूर्ति का एक चरण पृथ्वी के अंदर तक प्रविष्ट है। एक बार मुगल बादशाह औरंगजेब ने हनुमान जी के चरण की थाह लेने की इच्छा से वहां खुदाई करवाई। किंतु काफी गहरा खोदने के बाद भी जब चरण का अंत नहीं मिला तो आखिरकार वह थक हार कर खुदाई बंद करवा के वापस चला गया। तभी से इस स्थान की मान्यता और महत्वता और अधिक बढ़ गई।

श्री राम जो साक्षात ईश्वरावतार हैं। उनका रावण के विरुद्ध महायुद्ध और लंका विजय में ऐसा माना जाता है की हनुमान के बिना असंभव और नामुमकिन होता। निश्चित ही भगवान श्री राम की लंका विजय में बहुत बड़ी भूमिका का निर्वहन हनुमान ने किया। वे इस युद्ध में श्री राम के साथ ना होते तो रावण के विरुद्ध युद्ध जीतना अत्यंत कठिन हो जाता। राम और रावण के बीच जब महायुद्ध चल रहा था तब हनुमान रावण की नगरी लंका गए थे, वहां के भेद जानने। भगवान राम ने उन्हें वहां अपना गुप्तचर और दूत बना कर भेजा था। तब हनुमान ने जब वहां के सारे भेद जान लिए। इसके पश्चात वह वहां से वापस लौटने का उपक्रम कर रहे थे तभी रावण के सैनिकों ने उन्हें पकड़ लिया और उन्हें रावण के सामने राज दरबार में प्रस्तुत किया। रावण ने हनुमान को सजा के तौर पर उनके पूंछ पर आग लगा देने का आदेश दे दिया। तब हनुमान ने अपनी जलती पूंछ से पूरी लंका को ही जला डाला था। लंका दहन के पश्चात अग्नि की ज्वाला से ज्वलित हनुमान जी ने श्रीराम से अग्नि की ज्वाला को शांत करने के लिए उनसे स्मरण करते हुए निवेदन किया-

--हे राघव मेरे पूरे शरीर में जलन व्याप्त है । हे राघव मेरी इस जलन और पीड़ा को शांत करिए। तब श्री राम ने उनकी पूछ के आग बुझाने और जलन की पीड़ा को शांत करने के लिए उपाय बताया और उन्हें पीड़ा से मुक्ति दिलाई। अब जबकि हनुमान जी की पूंछ की बात चल निकली है तो यह जान लें कि हनुमान जी के पूंछ पर माता पार्वती का वास माना जाता हैं। वह इसलिए कि, जो लंका में सोने का महल था जिसमें रावण निवास करता था, वह दरअसल माता पार्वती के द्वारा शिव शंकर सहित अपने निवास के लिए कुबेर से कहकर बनवाया गया था। इस भव्य महल को जब रावण ने देखा तो उसकी नियत डोल गई।

रावण ने सोचा ऐसा भव्य महल तो तीनों लोकों में कहीं भी नहीं है। और उसने छल से भगवान शंकर के पास दरिद्र ब्राह्मण का रूप लेकर दान में इस महल को मांग लिया। इस बात की जब माता पार्वती को जानकारी हुईं तो वह रावण पर बहुत कुपित हुई। उन्हें शांत करने के लिए भगवान शंकर ने उन्हें कहा कि-- हे पार्वती त्रेता युग में जब रावण के अत्याचारों से त्राहि-त्राहि कर रही मानव जाति की रक्षा के लिए श्री हरि विष्णु के अवतार श्री राम के कार्य को सफल करने अर्थात श्रीलंका विजय और रावण के नाश के लिए मैं उनके सहयोगी रूप में वानर अवतार लूंगा। तब तुम उस समय मेरी पूंछ में रहना और रावण को सजा के रूप में उसके इस महल को भस्म कर देना।

साथियों प्रायः (हनुमानजी) बजरंगबली की आपने जहां-जहां भी मूर्ति देखी होगी हर जगह सिंदूरी और भगवा रंग में ही देखी होगी। लेकिन सारे विश्व में उनकी लंका दहन के समय की आग से अत्यंत काली पड़ गई मूर्ति जो पूर्ण रूप से काली है, वह दो ही जगह आज देखी जाती है। पहला धनुष्कोटी यानी रामेश्वरम के क्षेत्र में हनुमान जी की काली मूर्ति विराजमान है। दूसरी छत्तीसगढ़ प्रदेश के शिवरीनारायण धाम में हनुमान की काली मूर्ति का दर्शन किया जा सकता है। साथ ही शिवरीनारायण धाम में अगर आप जाते हैं तो वहां भगवान राम और अनुचरों द्वारा निर्मित रामसेतु के रामनामी एक पत्थर का भी दर्शन कर सकते हैं। यह पत्थर पानी के ऊपर तैरता हुआ आज भी शिवरीनारायण में देखा जा सकता है।

"राम सिया के काज संवारे
दानव दल चुन चुन कर मारे
कोई ना इनसे बलवान शक्तिमान
बोलो जय जय बालाजी हनुमान"

सुरेश सिंह बैस "शाश्वत"

मेरे प्यारे हनुमान

मेरे प्यारे हनुमान, मेरे न्यारे हनुमान,
तेरी लीला है अपरंपार,
अंजनी तेरी माता, पवन तेरे पिता
पवन पुत्र है तेरा नाम,
मेरे प्यारे हनुमान....!
राम का भक्त तू, सीता का भक्त
तू महावीर है तेरा नाम,
मेरे प्यारे हनुमान....!
शक्ति का सागर तू ,भक्ति की गागर
मेरा कर, दो कर दो बेड़ा पार,
मेरे प्यारे हनुमान.....!
जय जय जय बजरंगबली
कहें पवन सुत हनुमान,
हे अंजनी पुत्र, हे मारूती नंदन,
जय जय जय बजरंग,
मेरे प्यारे हनुमान.....!

जयश्री वर्मा
इंदौर, मध्यप्रदेश
कोलफील्ड मिरर

जय हनुमान ज्ञान गुन सागर

कोलफील्ड मिरर 23 अप्रैल 2024: हमर वैदिक अउ पौराणिक धर्मग्रंथ ह ज्ञान, शिक्षा, विद्या, धर्म के सारतत्व के विपुल भंडार आय। ये जम्मो धर्मग्रंथ ह धार्मिक, आध्यात्मिक अउ सामाजिक समरसता के सीख देथें। येकर कथात्मक अउ गीतात्मक शैली के शब्दावली म सांसारिक संदेश समाय रथे। सब जीव-प्राणी के सुचारू रूप म जिनगी चले खातिर उपदेशात्मक तथ्य ले परिपूर्ण रथें हमर हर धर्मग्रंथ हा; संगे-संग ये जीवजगत ल येकर ले प्रकृति अरथात ईश्वर के दर्शन होथे। एक बात आहू हे कि हमर सब धर्मग्रंथ के कथावृतांत के सबले महत्वपूर्ण चारित्रिक विशेषता होथे- जीवंतता; अउ ये जीवंतता ल बनाय रखथे- पात्र याने चरित्र (कैरेक्टर्स)। वइसे भी जम्मो वैदिक-पौराणिक कथा-वृतांतक्रम के मूलाधार ब्रह्मा, विष्णु अउ महेश ल माने जाथे; याने इँकरे ले ही जगत-सृजन के बात पोठ होथे। इँकरे चारित्रिक घटनाक्रम हर ही संसार म आन-आन सरूप अउ आन-आन समय म घटित होथे, जौन ह इँकर चारित्रिक कर्म अरथात ईश्वरलीला कहलाथे; तभे तो "यदा यदा धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत। अभ्युत्थानाम धर्मस्य तदात्मानम सृजाम्यहम्।" ल चरितार्थ करत ये तिनोदेव बखत के हिसाब से अलग-अलग रूप धरिन; अवतार लीन। अब मैं अपन कमबुद्धि अनुसार श्री हनुमंतलाल जी के जनम अरथात वीर बजरंगी के अवतार कथावृतांत, जेन ह देवादि देव महादेव के रूद्र अवतार-कथा के रूप म प्रासंगिक हे, के सम्बंध म अपन विचार रखत हँव।

श्रीहनुमान जी के जन्म-कथावृतांत:
हमर पौराणिक मान्यता कथय कि एक घाँव देवपति इंद्र के सरगलोक म पूंजिकस्थली नाम के एक घात सुग्घर अप्सरा रिहिस, जेकर बियर्थ भावभंगिमा के प्रदरसन ले ऋषिवर दुर्वासा ह कुपित होगें, अउ वो अप्सरा ल वानरयोनि म जनम धरे श्राप दे दिन। उचित समय मुताबिक पूंजिकस्थली ह एक वानरराज विरज के घर जनम धरिस। अंजनी नाम पाइस। बखत-संजोग के चलते सुमेरु पर्वतप्रदेश के सिंहासनरूढ़ कपिराज केसरी के संग विरजकुमारी अंजनी बिहाय गिस। एक बात अउ वर्णित कि एक घाँव वानरश्रेष्ठ केसरी ह महातपस्वी ऋषिवर भारद्वाज अउ उँकर शिष्य मन के एक मदमस्त हाथी ले रक्षा करिस, तब भारद्वाज ऋषि ह केसरी ल एक मायानिपुण, बलिष्ठ, वीर-पराक्रमी अउ बुद्धिमान पुत्र प्राप्ति के वरदान दियीस। अब बात आथय कि केसरी-अंजनी के वैवाहिक इस्थल के संदर्भ के चलते सुमेरू पर्वत म ही इन्ला चईत माह के उगोना पाख के पुन्नी तिथि के मंगलवार के पुत्ररत्न के प्राप्ति होइस, जेकर नाम रखे गियीस- बजरंगी। ये बजरंगी के जन्मकथा के बारे म सुने बर मिलथय कि महारानी अंजनी के वनभ्रमण के समय भगवान महादेव हर अपन एक मारूत नाम के रूद्र रूप म वायुदेव पवन के संयोग ले अंजनी के गर्भ म इस्थापित होइस; अउ इही भगवान शिव के रूद्र अवतारी पुत्र ह मारुति कहलाइस। येकरसती बजरंगी हर पवनसुत अउ मारुतिनंदन के नाम ले घलोक जाने जाथे। वइसे तो बजरंगी याने मारुति के जन्मकथा-प्रसंग सम्पूर्ण भारतवर्ष म अलग-अलग जगा म अलग-अलग ढंग ले सुने बर मिलथे।

असामान्य छुटपना म बजरंगी:
आज के परिवेश के नान्हे लइका कस बजरंगी के लइकापना घला साधारण होय के संगे-संग वोकर थोरकिन असाधारण छुटपना ही रिहिस। वानरयोनि म जनम धरे ले वोकर चंचलता अउ चपलता थोरिक बिलगे रिहिस। वोकर उतलंगपना ले बाप-महतारी के डर अउ परेशानी म स्वाभाविकता रिहिस; पर बाल बजरंगी के जनम एक दैवीय-चमत्कारिक प्रतिफल के रूप म जगजाहिर होइस। तभे तो एक घाँव उवत सुरुज ल बालक बजरंगी ह पाका-मीठ फर समझ के मुँह म दबा लिस; अउ एक बात बने होइस कि वोहर सुरुज ल नइ लिलके अपन गाल म दबा के राखे रिहिस; नहिं ते संसार बर बड़ा अलकरहा हो जाथिस। ये घटना ले तीनों लोक म अंधेरा छागे । त्राहि-त्राहि मच गे। लोगन के जीना बड़ा मुश्किल होगे। देवता मन के विनय-अनुनय शुरू होगे। आखिर म देवराज इंद्र अपन चिर-परिचित अंदाज म वज्र ले बाल बजरंगी ऊपर वार करिस, तब बजरंगी के मुँह ले सुरुजदेव छिटकीस अरथात निकलिस, त जग के अंधेरा दूर होइस। देवेंद्र के वज्र प्रहार ले ही बजरंगी के 'हनु' यानी दाढ़ी (ठोढ़ी) एक विशेष आकार म परिवरतित होइस; यानी विकृति आगे, पर वो दाढ़ी के मान बढ़गे। वो ठोढ़ी ह मूल्यवान, चमत्कारिक अउ सम्मानित होगे; अउ बाल बजरंगी ल एक नाम मिलगे- हनुमान। अब ये मेर एक बात इस्पष्ट होथय कि तुलनात्मक दृष्टि ले आधुनिक परिवेस के ननपन अउ हनुमान के छुटपन एक साधारण लइकापना ही होथय; अब ये अलग बात आय कि बालक हनुमान हर एक दैवीय-अवतरित सरूप के प्रतिफल रिहिस। बालक हनुमान के अउ कतको बालचमत्कारिक क्रियाकलाप के प्रसंग मिलथय; पर जादा जिक्र करई ह मोर असन नानुक मनखे के बुता नोहे। हाँ, पर अतका जरूर कह सकथँव कि बालक हनुमान ह एक वीर, निर्भीक अउ साहसी रिहिस।

एक सर्वगुण सम्पन्न चरित्र - हनुमान:
श्री हनुमान जी के कथा-गाथा प्रसंग ह देव-दानव के जनम-अवतरण के कथाकाल त्रेतायुग ले संबंधित हे। अब ये जिक्र करई बहुत जरुरी हे कि आदिकवि श्रीमन्त वाल्मीकि जी के महाकाव्य रामायण अउ भक्तिकालीन सगुनरामभक्ति धारा के अमर कवि गोस्वामी तुलसीदास जी के रामचरितमानस के नायक श्रीराम जी आय। रामचरितमानस असन अउ कतको श्रीरामचरित ग्रंथ के रचना होय हे , सब के सब वाल्मीकि रामायण ले ही प्रेरित हे; काबर कि श्रीराम के सम्पूर्ण चारित्रिक गुण के उल्लेख सबले पहिली महाकाव्य रामायण म ही होय हे। अब बात आगू बढ़थय कि श्रीरामजी ह श्री विष्णुजी के अवतरित रूप आय, त श्रीहनुमानजी हर देवाधिदेव महादेव के रूद्रावतार आय। अब इही करा ले ही दूनों के मेलमिलाप-प्रसंग ले श्रीराम-हनुमंत कथा लेखनीबद्ध होथे।

मैं अपन सुविधानुसार गोस्वामी तुलसीदास जी के रामचरितमानस के कथाप्रसंग के अंतरगत श्रीहनुमंत जी के चरित्र ल किष्किन्धाकाण्ड ले ही टिप्पणी करना चाहत हँव। जब प्रभु श्रीराम हर अपन अनुज लक्ष्मण संग भार्या देवी सीता के खोज म वन-वन भटकत रिहिन। इन्ला अपन डहर आवत देखके ऋष्यमुख परवत ले वानरप्रमुख सुग्रीव के नजर परिस। वो हनुमान जी ल दूनों वनवासी मनुख के बारे म पता लगाय के आज्ञा दिस-

"जहँ रह सचिव सहित सुग्रीवा।
आवत देखि अतुल बल सींवा।।
विप्र रूप धरि कपि तहँ गयऊ।
माथ नाइ पूछत अस भयऊ।।"

हनुमान ह ब्राह्मण रुप धरे राम-लखन संग भेट करिस। अब पाछू जेन घलो बात होय, पर हनुमानजी के श्रीराम-लक्ष्मण प्रथम मिलन ह वोकर बुद्धिकौशल-चातुर्य के प्रमाण आय। हनुमानजी ले श्रीराम अउ सुग्रीव के रूप म दो दिव्य आत्मा के मिलन होइस। एक मैत्री इस्थापित होइस। येमा हनुमानजी के हाथ होय के बात आथे। कुसमय के चलते श्रीराम-सुग्रीव के पत्नि-बिच्छोह जस व्यथा निवारण म हनुमानचरित्र बहुत महत्वपूर्ण हे। बिगड़े काज के बनइया हनुमानजी के पात्रता वर्तमान समाज बर घात अनुकरनीय हे।

श्रीहनुमंतचरित के कथाप्रसंग के आगू बढ़े के पहिली आहू बात आथय कि राजा सुग्रीव के आज्ञा पा के रीछराज जामवंत अउ दिगर वानरसेना सदस्य के सहयोग ले देवी सीता के पता लगई वोकर एक बहुत बड़े परहित कारज आय। अशोकवाटिका म सीता अउ हनुमानजी के बीच होय गोठबात शांति, धैर्य, वीरता अउ भक्तिपूर्ण रसमयी बात वत्सलभाव रूप म होइस। ये ह हनुमानजी के अनुपम चारित्रिक प्रमाण आय। सिंधु पार करत हर मुसीबत म हनुमान जी ह धीर-वीर प्रतिकात्मक रूप म इस्थापित होइस-

"कपि के बचन सप्रेम सुनि उपजा मन बिस्वास।
जाना मन क्रम बचन सह कृपासिंधु कर आस।
रघुपति कर संदेहु, अब सुन जननि धरि धीर।
अस कहि कपि गदगद भयऊ, भरे बिलोचन नीर।।"

अशोकवाटिका के तहस-नहस ले लेके लंकादहन के घटना ह हनुमान जी ल एक निर्भीक अउ धैर्यवान स्वामीभक्त सेवक के रूप म निरुपित करथे। येकर पहिली लंकेश रावण के दरबार म विभीषण के विचार संगत हनुमानजी हर रावण ले प्रभु श्रीराम ल सीता-सँवपई के निक चरचा करिस। हनुमानजी के नैतिक, शैक्षिक, धार्मिक, अध्यात्मिक अउ राजनैतिक तथ्यपूर्ण बात ह उन्ला रामायण के एक चिरकालीन अमर पात्र बना दिस-

"जाने बल बिरंचि हरि ईसा।
पालत सृजन हरत दससीसा।
धरइ जो बिबिध देह सुरत्राता।
तुम्ह से सहन्ह सिखावनु दाता।"

अइसना श्रीराम-रावण युद्ध के अंतरगत मेघनाद ले आहत-मुर्छित लखन के प्राणरक्षा ले लेके युद्ध भर म वोकर शौर्य-पराक्रम, वीरता, बौद्धिकनिपुणता अउ कार्यकुशलता; अउ सीता वनवास म लव-कुश वृत्तांत म पारखीपूर्ण दृष्टि अउ भोलापन आधुनिक समाज बर श्रीहनुमंतचरित अंतरनिहित हे।

वर्तमान परिवेश म हनुमानचरित के प्रासंगिकता:
भगवान शिवजी असन ही उँकर रुद्रावतार हनुमानजी हर घलोक दृढ़विश्वास के प्रतीक आय। सकल संसार ह आस अउ विश्वास ले ही टिके हे। येकरेसती तो हमर देश म जगा-जगा शिव अउ हनुमानजी के मंदिर अउ मुरती के दरसन होथे। हनुमानजी हर लोगन के विश्वास के केंद्रबिंदु आय। अतुल्य शक्तिस्रोत आय हनुमंत लाल जी हा; अउ भय-त्रास के संहारक आय ये वीर हनुमान हा। तभे तो श्री तुलसीकृत हनुमानजी के चरित्रगाथा, जेन ल संसार "हनुमान चालीसा" (शुरुआत म दो दोहा अउ पूरा चालीस चौपाई छंद) के नाम ले जाने जाथे-

"जय हनुमान ज्ञान गुन सागर
जय कपीस तिहुँ लोक उजागर
रामदूत अतुलित बल धामा
अंजनि पुत पवनसुत नामा
महावीर विक्रम बजरंगी
कुमति निवार सुमति के संगी
........................"

ये हनुमान चालीसा आज घलोक कारगर सिद्ध हे। जब भी कोनों मनखे ह बिपत, संकट, भय , दुख ले घिर जाथय, त हनुमान चालीसा के हर शब्द ह मनखे ल न सिरिफ दैहिक; भलुक आंतरिक रूप ले उर्जावान बनाथे। संकट के बखत आज घला हनुमानजी के इस्मरण प्रासंगिक हे, तभे तो उन्ला "संकटमोचन" कहे जाथे। कउनों शुभकारज के श्रीगणेश करे के पहिली आज घलो लोगन हनुमानजी ल जरूर इस्मरण करथें-

"श्रीगुरुचरन सरोज रज,
निज मनु मुकुर सुधारि।
बरनऊ रघुवीर विमल जसु,
जो दायकु फल चारि।।"

जब जब जीवपरानी म भय, संकट, दुख झपा ही, तब तब हनमंत लालजी के इस्मरण ह निवारक सिद्ध होही, काबर कि ये जम्मो भाव हर हिरदय म उपजत रह ही, अउ हनुमान-स्मृति हर ही वोकर कृपा बनत रह ही। तभेच तो आज घला ये माने जाथय कि आठ अमर पौराणिक पात्र म- मारकण्डेय, परशुराम, नारद, व्यास, विभीषण, बलि, अश्वथामा, अउ हनुमानजी हर घलो शामिल हे।

"बुद्धिहीन तनु जानिके,
सुमिरँव पवन कुमार।
बल-बुद्धि देहु मोहि,
हरहु कलेस विकार।।
पवन तनय संकट हरन,
मंगल मुरति रूप।
राम लखन सीता सहित,
हृदय बसहु सुर भूप।।"

टीकेश्वर सिन्हा "गब्दीवाला"
घोटिया-बालोद (छ.ग.)